A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 30 जुलाई, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 321, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

चीन का 'वॉटर बम' भारत के लिए कितना बड़ा खतरा?

पंकज श्रीवास्तव

क्या चीन की जलनीति भारत के लिए 'वॉटर बम' बनती जा रही है? ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध निर्माण से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर मंडरा रहा है गंभीर जलसंकट का खतरा। जानें विस्तार से।

ऑपरेशन सिंदूर के समय पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़ा हुआ चीन भारत की घेराबंदी के लिए एक और प्रयास कर रहा है। ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बाँध बना रहा चीन यूँ तो इसका मक़सद बिजली उत्पादन बता रहा है लेकिन अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण यह भारत के लिए एक बड़ी रणनीतिक चुनौती बन सकता है।

ब्रह्मपुत्र भारत की सबसे चौड़ी और गहरी नदी है जिसका उद्गम तिब्बत यानी चीन में है। वहाँ इसे यारलुंग ज़ांगबो कहते हैं। यह नदी 2,900 किलोमीटर का सफर तय करती है और तिब्बत, भारत (अरुणाचल प्रदेश और असम) और बांग्लादेश से होकर बहती है। बांग्लादेश में इसे इसे जमुना कहा जाता है जो गंगा में मिलकर बंगाल की खाड़ी में समाहित होती है।

ब्रह्मपुत्र अरुणाचल और असम के लिए जीवनरेखा है। यह नदी सिंचाई, पेयजल और क्षेत्र की जैव-विविधता, जैसे काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, को समृद्ध करती है। इसके पानी से असम और बांग्लादेश के बाढ़ के मैदानों की उर्वरता बनी रहती है, जिससे लाखों किसानों की आजीविका चलती है। लेकिन चीन का यह मोटुओ हाइड्रोपावर स्टेशन इस नदी के प्रवाह को खतरे में डाल सकता है।

मोटुओ हाइड्रोपावर स्टेशनः चीन ने तिब्बत के न्यिंगची इलाके में यारलुंग ज़ांगबो यानी ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े हाइड्रोपावर बांध, जिसे मोटुओ हाइड्रोपावर स्टेशन कहा जा रहा है, का निर्माण शुरू कर दिया है। इस परियोजना की औपचारिक शुरुआत 19 जुलाई, 2025 को चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने की। इसकी अनुमानित लागत है 167.8 अरब अमेरिकी डॉलर, यानी लगभग 1.2 ट्रिलियन युआन। यह बांध वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े थ्री गॉर्जेस डैम से तीन गुना अधिक बिजली पैदा करेगा जो चीन के ही हुबेई प्रांत में यांग्त्सी नदी पर है। ब्रह्मपुत्र पर बनने वाला बाँध 60 हजार मेगावाट का है जो हर साल 300 अरब किलोवाट-घंटे बिजली उत्पादन करेगा। यानी तीस करोड़ लोगों की साल भर की बिजली ज़रूरत पूरी करेगा।

चीन का दावा है कि मोटुओ हाइड्रोपावर बाँध 2060 तक कार्बन न्यूट्रलिटी के उसके लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगा और तिब्बत में आर्थिक विकास व स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देगा। यह बांध यारलुंग ज़ांगबो ग्रैंड कैनियन में बन रहा है, जो 5 हजार मीटर तक गहरी घाटी है। इस घाटी में नदी 2 हजार मीटर की गिरावट (वॉटर फॉल) के साथ बहती है, जो बिजली उत्पादन के लिए आदर्श है। लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति इसे इंजीनियरिंग के लिहाज से चुनौतीपूर्ण और पर्यावरणीय रूप से जोखिम भरा बनाती है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इस बाँध को 'वॉटर बम' कहा है। यह बांध भारत की जल सुरक्षा और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

भारत को ख़तरेः इस बांध से भारत और बांग्लादेश को कई खतरे हैंः जल प्रवाह में कमीः बांध ब्रह्मपुत्र के पानी को नियंत्रित कर सकता है, जिससे गैर-मानसून महीनों में अरुणाचल, असम और बांग्लादेश में पानी की कमी हो सकती है। इससे सिंचाई और पेयजल पर असर पड़ेगा।

बाढ़ का खतराः यदि चीन अचानक बाँध से पानी छोड़ता है, तो अरुणाचल और असम में विनाशकारी बाढ़ आ सकती है। पेमा खांडू ने चेतावनी दी है कि यह सियांग क्षेत्र को पूरी तरह तबाह कर सकता है।

जैव-विविधता पर प्रभावः बांध से पानी और गाद का प्रवाह रुकने से काजीरंगा जैसे संरक्षित क्षेत्रों की उर्वरता और पारिस्थितिकी प्रभावित होगी। यह एक सींग वाले गैंडे जैसी प्रजातियों के लिए खतरा है।

रणनीतिक खतराः विशेषज्ञों का मानना है कि चीन इस बांध को भारत के खिलाफ 'जल हथियार' के रूप में इस्तेमाल कर सकता है, खासकर सीमा विवादों के दौरान।

पर्यावरणीय जोखिमः यह बाँध हिमालय के भूकंप प्रभावित क्षेत्र में बन रहा है, जहां इंडियन और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स की टक्कर होती है। इस टक्कर से हिमालय का निर्माण हुआ, और यह क्षेत्र भूकंप के लिए संवेदनशील है। 1950 का असम-तिब्बत भूकंप, जिसमें करीब 5,000 लोग मारे गये थे। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एक छोटी सी दरार भी बांध को तबाह कर सकती है, जिससे भारत और बांग्लादेश में भारी तबाही हो सकती है।

बांध से तिब्बत की समृद्ध जैव-विविधता और अरुणाचल की सियांग घाटी में रहने वाली आदि जनजातियों का अस्तित्व खतरे में है। गाद के रुकने से बांग्लादेश की खेती और अर्थव्यवस्था को भी नुकसान होगा।

भारत की प्रतिक्रियाः भारत ने इस बांध को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। जनवरी 2025 में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने राजनयिक और विशेषज्ञ स्तर पर चीन के साथ अपनी चिंताएँ साझा की हैं। भारत ने पारदर्शिता और निचले तटवर्ती देशों के साथ परामर्श की माँग की है।

समस्या ये है कि भारत और चीन के बीच ब्रह्मपुत्र के लिए कोई संधि नहीं है। 2006 में हुए समझौते के तहत चीन मानसून में डेटा साझा करता था, लेकिन 2020 के विवाद के बाद यह बंद हो गया। संयुक्त राष्ट्र का 'UN Watercourses Convention' (1997) नदियों के उपयोग को नियंत्रित करता है, लेकिन चीन ने इसे साइन नहीं किया है।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह बाँध भारत के लिए चीन की रणनीतिक चाल हो सकती है, खासकर तब जब भारत ने 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित किया था। जवाब में भारत ने अरुणाचल के सियांग जिले में 11,000 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना प्रस्तावित की है, लेकिन यह चीन के बांध की तुलना में छोटी है।

चीन का मोटुओ हाइड्रोपावर स्टेशन न केवल एक इंजीनियरिंग चमत्कार है, बल्कि एक भू-राजनीतिक और पर्यावरणीय चुनौती भी है। यह बाँध ब्रह्मपुत्र के प्रवाह, भारत और बांग्लादेश की जल सुरक्षा, और हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी को प्रभावित कर सकता है। भारत को अपनी जल सुरक्षा, रणनीतिक तैयारियों और पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देना होगा। क्या भारत और चीन इस मुद्दे पर सहयोग कर सकते हैं, या यह एक नए 'जल युद्ध' की शुरुआत है? यह सवाल भविष्य के गर्भ में है।

(सत्य हिंदी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

मेरी भाषा में
सावन
बरसता है

मेरी भाषा में
वासंती फूल
खिलते हैं

मेरी भाषा में
प्राणों का
रस होता है

मेरी भाषा में
अंतर्मन का
राग होता है

मेरी भाषा में
जीवन का
अर्थ होता है!

-दुर्गाप्रसाद झाला

'ऑपरेशन सिंदूर' संसद में जमकर चले तीर

● विपक्ष के हर सवाल का पीएम मोदी ने दिया करारा जवाब

● सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ने एक दूसरे पर खूब किए वार ● खरगे, प्रियंका और अखिलेश ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर जमकर बहस हुई। विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व के 193 देशों में से सिर्फ 3 देशों ने पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। हमने पाकिस्तान के सीने पर सीधा हमला किया। पाकिस्तान की न्यूक्लियर धमकी को हमने झूठा साबित कर दिया। पीएम ने कहा- पाकिस्तान के साथ हमारी लड़ाई तो कई बार हुई है लेकिन ये पहली ऐसी भारत की रणनीति बनी कि जिसमें पहले जहां कभी नहीं गए थे वहां हम पहुंचे। वो सोच नहीं सकता था कि कोई बहावलपुर मुरीदके भी जमींदोज कर सकता है। हमने कर दिया। पीएम ने कहा कि हमारी सेनाओं ने आतंकी अड्डों को तबाह कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित किया कि भारत अपनी शर्तों पर अपने तरीके से जवाब देकर रहेगा। भारत ने सिद्ध कर दिया कि न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगा न भारत इसके सामने झुकेगा। पीएम ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर में तीनों सेनाओं के बीच के कोआर्डिनेशन और सिनर्जी ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए। आतंकी घटनाएं पहले भी देश में होती थीं। पहले उनके मास्टरमाइंड निश्चिंत रहते थे। उनको पता होता था कि कुछ नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

शाह का तीर

लोकसभा के मैदान में एक तरफ थे गृहमंत्री अमित शाह तो दूसरी तरफ समूचा विपक्ष। शाह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर इशारों इशारों में कहा कि पाकिस्तान को बचाने वाले नहीं बचेंगे। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के आतंकियों के पाकिस्तान होने का सबूत मांगने वाले पूर्व गृहमंत्री और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम को आड़े हाथ लिया। शाह ने आतंकियों के पाकिस्तान का होने का सबूत बताते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में 20 मिनट में 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए गए। 100 किलोमीटर भीतर तक घुसकर हमारी सेना ने हमले किए। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भी चुप करा दिया। शाह जब ऑपरेशन महादेव की जानकारी दे रहे थे तो अखिलेश हल्ला करने लगे।

राहुल बोले-

दम है तो पीएम कहें कि ट्रम्प झूठे- कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाषण दिया। राहुल ने कहा- ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं।

राहुल ने कहा- आपने यह बता दिया कि आपके पास लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं है। सरकार ने पायलट्स के हाथ-पांव बांध दिए। अगर पीएम में इंदिरा गांधी की तरह 50 प्रतिशत भी दम है तो कहें कि ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान में सीजफायर नहीं कराया। कह दीजिए कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा है।

खड़गे बोले-

गृहमंत्री बताएं 3 आतंकी मारे गए,बाकी कहां हैं- विपक्ष की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि बीजेपी सरकार जब से आई है। तब से 5 बार पहलगाम में ही अटैक हुआ है। सबक सीखना चाहिए। गलती सुधारनी चाहिए, आपने क्या किया। गृहमंत्री अमित शाह बताएं इसके लिए कौन जिम्मेदार है, वह कुर्सी खाली करें। अगर कोई नहीं है तो पीएम जवाब दें। पहलगाम हमले के 100 दिन बाद भी आतंकी नहीं मिले, 3 मारे गए तो बाकी कहां हैं।

अब फिंगरप्रिंट के जरिए कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट

● अभी लेनदेन के लिए पिन का होता है इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीआई यूजर्स जल्द ही फेस या फिंगरप्रिंट के जरिए पेमेंट कर पाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यूपीआई को ऑपरेट करने वाली एजेंसी एनपीसीआई बायोमेट्रिक के जरिए पेमेंट की सुविधा देने

की तैयारी कर रहा है। इसके बाद यूपीआई पेमेंट करने के लिए पिन की जरूरत ऑप्शनल हो जाएगी। बायोमेट्रिक पेमेंट में पहचान फिंगरप्रिंट, फेस आईडी जैसी अनोखी शारीरिक विशेषताओं से होगी। ये पिन या पासवर्ड से ज्यादा सुरक्षित और आसान है, क्योंकि इसे कॉपी करना मुश्किल है। जैसे आप अपने स्मार्टफोन को फिंगरप्रिंट और फेस आईडी के जरिए अनलॉक कर पाते हैं।

एमपी कैबिनेट ने दी चार विधेयकों को मंजूरी, विधानसभा के इसी सत्र में ही किए जाएंगे पेश

भोपाल। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को विधानसभा स्थित समिति कक्ष क्रमांक-एक में कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। जिसमें चार विधेयकों को मंजूरी दी गई। इन विधेयकों को इसी सत्र में पेश किया जाना है। इसके साथ ही सरकार ने बाबई मोहासा में उद्योग के लिए आरक्षित जमीन में छूट देने का भी फैसला किया है। कैबिनेट की बैठक वंदे मातरम् गान के साथ प्रारंभ हुई। इसके बाद जन विश्वास संशोधन विधेयक 2025, माध्यमस्थ अधिकरण संशोधन विधेयक, दुकान स्थापना अधिनियम संशोधन विधेयक, कारखाना अधिनियम संशोधन विधेयक पर चर्चा की गई। चर्चा के बाद सभी विधेयकों को मंजूरी दे दी गई। कैबिनेट बैठक में विक्रमपुरी इंडस्ट्रियल एरिया में गांवों की भूमि का भू-अर्जन करने को लेकर भी चर्चा हुई है और इसे मंजूरी दी गई है।

पर्यटन उत्पादों को मिलेगा एक मंच- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 11 से 13 अक्टूबर तक भोपाल में मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट (एम.पी.टी.एम) का आयोजन किया जाएगा। इस उद्देश्य से प्रदेश के पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए पर्यटन क्षेत्र के हितधारकों जैसे होटल मालिकों, रिसोर्ट मालिक, परिवहन ऑपरेटरों, ट्रैवल टूर ऑपरेटरों को अपने पर्यटन उत्पादों के प्रचार-प्रसार और व्यावसायिक चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना है।

अब आईआरसीटीसी पोर्टल पर भी होगी पीएमश्री वायुसेवा की बुकिंग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में पर्यटन निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 26 एवं 27 जुलाई को रीवा में वाइल्ड लाइफ और ऑफबीट डेस्टिनेशन पर केन्द्रित रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में 80 से अधिक प्रमुख टूर ऑपरेटर्स ने शिरकत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रमुख निवेशकों ने रीवा और शहडोल और संभाग में 3 हजार करोड़ रूपए से अधिक के निवेश की इच्छा जताई। इस अवसर पर 15 करोड़ 60 लाख रूपए लागत के शहडोल फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट का लोकार्पण किया गया। चित्रकूट में 27 करोड़ रूपए के आध्यात्मिक विकास कार्यों का शिलान्यास भी हुआ। पीएमश्री वायुसेवा की बुकिंग सुविधा आईआरसीटीसी पोर्टल पर आरंभ की गई।

एमपी से हिमाचल तक बाढ़-बारिश का आतंक

● राजस्थान में बुरा हाल, 12 जिलों में स्कूल बंद ● हिमाचल में बादल फटा,घरों तक में घुसा मलबा ● एमपी में भोपाल समेत 34 जिलों में भारी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बारिश के कारण जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। एमपी में भोपाल 34 जिलों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश के मंडी में सोमवार देर रात बादल फटा। अब तक 3 लोगों की मौत हो गई और 2 अन्य लापता है। 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। चंडीगढ़-मनाली और मंडी-जोगेंद्रनगर फोरलेन बंद हो गया है। भूस्खलन और पानी के तेज बहाव से कई घरों में मलबा घुस गया।

राजस्थान में भारी बारिश से कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। चित्तौड़गढ़, झालावाड़, कोटा, पाली और सिरोही में घरों तक में पानी घुस गया है। टोंक-चित्तौड़गढ़ में बारिश से हुए हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। भीलवाड़ा के बिजौलिया इलाके में सड़कों पर नाव चल रही हैं। बाढ़ में फंसे लोगों को एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। आज राज्य के 27 जिलों में बारिश का अलर्ट है। चेतावनी के चलते 12 जिलों में स्कूलों की छुट्टी कर दी है। हरियाणा के पानीपत, अंबाला, फरीदाबाद और पंचकूला में मंगलवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। गुरुग्राम में

भारी बारिश की वजह से गुरुग्राम-दिल्ली एक्सप्रेसवे पर दिल्ली बॉर्डर पर 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। इसी तरह, अंबाला में दिल्ली-अमृतसर हाईवे पर वाहनों की गति धीमी हो गई। बिहार के ज्यादातर जिलों में मंगलवार सुबह से ही तेज बारिश जारी है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 30 जुलाई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

दो साल में पूरा हो जाएगा बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

8 स्टेशनों में जल्द पूरा होगा काम,दौड़ेगी रेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि वापी और साबरमती के बीच बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के गुजरात वाले हिस्से का काम दिसंबर, 2027 तक पूरा करने की योजना है और महाराष्ट्र से साबरमती सेक्शन तक पूरी परियोजना दिसंबर, 2029 तक पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 किलोमीटर) जापान से तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ निर्माणाधीन है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरेगी और इसके मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों पर ठहराव की योजना है। वैष्णव ने बताया, ''वापी और साबरमती के बीच कॉरिडोर का गुजरात वाला हिस्सा दिसंबर, 2027 तक पूरा होने की योजना है। पूरी परियोजना (महाराष्ट्र से साबरमती खंड) दिसंबर, 2029 तक पूरी होने की उम्मीद है।'' रिपोर्ट के अनुसार, कॉरिडोर का वापी से से साबरमती सेक्शन का काम दिसंबर 2027 तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है। वापी-साबरमती ट्रेन सेक्शन में 8 स्टेशन होंगे। इनमें वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 1,08,000 करोड़ रुपये है, जिसमें से जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी 81 प्रतिशत यानी 88,000 करोड़ रुपये का वित्तपोषण कर रही है।

गोधराकांड के बाद हुए दंगा मामलों के 3 दोषी बरी

गुजरात हाईकोर्ट ने कहा-गवाह ने इनकी पहचान कैसे की थी, यह नहीं बताया

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान तीन लोगों को बरी कर दिया। इन्हें 2006 में आणंद सेशन कोर्ट ने 2002 के गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के मामले के लिए दोषी ठहराया था। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाह ने इनकी पहचान कैसे की यह नहीं बताया। और न ही गवाह ने 100 से अधिक लोगों की भीड़ में देखे गए प्रत्येक आरोपी की भूमिका का उल्लेख किया। जस्टिस गीता गोपी ने यह आदेश दो अपीलों को स्वीकार करते हुए पारित किया। उक्त अपीलों में से एक सचिनभाई हसमुखभाई पटेल और अशोकभाई जशभाई पटेल द्वारा दायर और दूसरी अशोक बनारसी भरतभाई गुप्ता द्वारा दायर की गई थी। अभियुक्तों को भारतीय दंड संहिता की धारा 149 (गैरकानूनी रूप से एकत्रित होने का साझा उद्देश्य) के लिए पांच वर्ष कारावास और धारा 147 (दंगा) के तहत अपराध के लिए छह माह के कठोर कारावास की भी सजा सुनाई गई थी। पहचान स्वीकार करते समय सावधानी बरतनी चाहिए: कोर्ट हाईकोर्ट ने आदेश में कहा- ऐसे मामलों में जहां अभियुक्त गवाह के लिए अजनबी हो। उसकी पहचान स्वीकार करते समय निचली अदालत को बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।

वसुंधरा राजे मोदी से मिलीं, राजस्थान सीएम भी दिल्ली में थे

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद सियासत हो गई तेज

जयपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। इसके सियासी मायने भी निकाले जाने लगे हैं। जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने से पहले संभावितों की लिस्ट में वसुंधरा राजे का नाम भी चला था। बाद में धनखड़ को उपराष्ट्रपति बना दिया गया था। धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद राजस्थान में बीजेपी के लिए किसान कौम (जाट समुदाय) को साधना किसी

चुनौती से कम नहीं है। माना जा रहा है कि प्रदेश में पैदा हुए इस सियासी संकट को लेकर दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई है। वसुंधरा राजे प्रदेश की दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। इस बार पार्टी ने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाया था। अब धनखड़ के इस्तीफे के बाद पार्टी वसुंधरा के अनुभव का फायदा लेना चाहती है। राजे को प्रदेश में सर्वमान्य नेता माना जाता है। जाट समाज पर भी उनकी विशेष पकड़ मानी जाती है। पार्टी का मानना है कि उसमें राजे की मर्जी भी शामिल हो।

ऑपरेशन सिंदूर: अनाथ हुए 22 बच्चों को गोद लेंगे राहुल गांधी

● पाकिस्तानी गोलाबारी में मारे गए हैं इनके माता-पिता

पुंछ (एजेंसी)। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान अपने माता-पिता को खोने वाले करीब दो दर्जन बच्चों को 'गोद' लेने का फैसला किया है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की ओर से हुई गोलाबारी में इन बच्चों ने अपने परिजनों को खो दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद करा ने बताया कि राहुल गांधी पुंछ जिले के 22 बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्च उठाएंगे। ये वे बच्चे हैं जिन्होंने या तो अपने दोनों माता-पिता या परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य को खो दिया है। करा ने बताया, पहली किस्त की सहायता राशि बुधवार को जारी की जाएगी ताकि इन बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। यह सहायता तब तक जारी रहेगी जब तक बच्चे स्नातक नहीं कर लेते। राहुल गांधी ने मई में पुंछ का दौरा किया था, जहां उन्होंने स्थानीय कांग्रेस नेताओं से इन प्रभावित बच्चों की सूची तैयार करने को कहा था। इसके बाद एक सर्वे कराया गया और सरकारी रिकॉर्ड की पुष्टि के बाद अंतिम सूची बनाई गई। राहुल गांधी ने पुंछ स्थित क्राइस्ट पब्लिक स्कूल का भी दौरा किया, जहां पढ़ने वाले 12 वर्षीय जुड़वां बच्चे-

उरबा फातिमा और जैन अली भी हमले का शिकार हुए थे। बच्चों से बात करते हुए राहुल ने कहा,मैं तुम पर बहुत गर्व महसूस करता हूं। तुम्हें अपने छोटे दोस्तों की बहुत याद आती होगी, मुझे इसका दुख है। अब तुम्हें थोड़ा डर भी लगता होगा, लेकिन घबराओ मत, सब कुछ फिर से सामान्य हो जाएगा। तुम्हारा जवाब इस घटना को लेकर यह होना चाहिए कि तुम खूब मन लगाकर पढ़ाई करो, दिल खोलकर खेलो और स्कूल में बहुत सारे दोस्त बनाओ। पुंछ शहर पाकिस्तान की ओर से हुई भारी गोलाबारी से सबसे अधिक प्रभावित रहा। धार्मिक स्कूल जिया उल उलूम पर हुए हमले में आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए थे। इस हमले में वीहान भार्गव की मौत उस वक्त हो गई जब उसका परिवार शहर छोड़ रहा था।

खिलाड़ी पूरी क्षमता से खेलें और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करें : मंत्री सारंग

राज्य सरकार खेलों के लिये हर सुविधा मुहैया करवाने कटिबद्ध

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि खिलाड़ी पूरी क्षमता के साथ अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करें और मध्यप्रदेश का नाम देश में रोशन करें। राज्य सरकार खेलों के उन्नयन के लिये हर सुविधा मुहैया करवा रही है। मंत्री श्री सारंग मंगलवार को तात्या टोपे खेल स्टेडियम में राज्यस्तरीय बॉक्सिंग चेंपियनशिप के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट खिलाड़ियों और टीम को पुरस्कार वितरण भी किया।

मध्यप्रदेश बॉक्सिंग में भी देश में अग्रणी स्थान बनाएगा- मंत्री श्री सारंग ने आशा व्यक्त की कि मध्यप्रदेश ऐसे आयोजनों से बॉक्सिंग में भी देश में अग्रणी स्थान बनाएगा। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज के निर्माण में खेलों का महत्वपूर्ण स्थान है। खेल से व्यक्ति अनुशासित, संयमित बनता है और खेल भावना से शारीरिक तथा मानसिक रूप से सुदृढ़ होता है।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने खिलाड़ी और खेल के उन्नयन के लिये काम किया है। विगत दिनों नई खेल नीति आई है अब पहली बार देश में खेल के सभी ऐसोशिएशन, फेडरेशन सुचारू रूप से खेलों के उन्नयन पर काम कर सकेंगे। सरकार के साथ उनका सही समन्वय हो, इसको लेकर केन्द्र सरकार ने एक विस्तारित विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किया है।

एमपी यूथ गेम्स से मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी होंगे चयनित- मंत्री श्री सारंग ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में खेल के उन्नयन, विकास और सुचारू खेल सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक खेल स्टेडियम बनाकर खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने का काम किया जा रहा है।

दुश्मनों के लिए आफत.. वी-बैट कॉम्बैट ड्रोन डील के करीब

अमेरिकी कंपनी से हुआ सौदा,भारत में ही उत्पादन की योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत अत्याधुनिक लड़ाकू ड्रोन खरीदने की तैयारी में है। इसके लिए भारत जिस कॉम्बैट ड्रोन खरीदने और टेक्नोलॉजी

लाने पर विचार कर रहा है, वह है वी-बैट कॉम्बैट ड्रोन जो अमेरिकी डिफेंस कंपनी शील्ड एआई बनाती है।

यह डील 4.5 अरब डॉलर की आपात खरीद के तहत हो रही है, जिसे ऑपरेशन सिंदूर के बाद की जरूरतों को देखते हुए लॉन्च किया गया है। यूं तो ड्रोन टेक्नोलॉजी में भारत काफी आगे है, लेकिन यहां आवश्यकता लड़ाकू ड्रोन की है, जिसमें अभी देशी कंपनियों के हाथ तंग हैं।

सबसे बड़ी बात ये है कि अगर डील तय हो गई तो ये कॉम्बैट ड्रोन जल्द ही भारत में ही बनाए जाएंगे, क्योंकि शील्ड एआई से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर भी बात हो रही है। मिंट ने हाल ही में एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसके तहत रक्षा मंत्रालय की शील्ड एआई से कॉम्बैट ड्रोन की डील चल रही है। भारत इंडियन एयर फोर्स के लिए शील्ड एआई से कॉम्बैट ड्रोन खरीदना चाह रहा है। यह ड्रोन युद्ध में इस्तेमाल के लिए होते हैं और इन्होंने अबतक बहुत ही बेहतर प्रदर्शन करके दिखाया है। डील फाइनल होने पर पहले शील्ड एआई भारतीय वायु सेना को कॉम्बैट ड्रोन देगा और फिर संयुक्त उद्यम में इसका भारत में ही उत्पादन किया जाएगा।

बस-ट्रक भिड़े, 6 कांवड़ियों की मौत

● इनमें 4 बिहार के,ड्राइवर सीट समेत सड़क पर गिरा ● लगभग 100 मीटर बिना ड्राइवर के बिना चली बस

देवघर (एजेंसी)। देवघर में बस और ट्रक के बीच टक्कर में 6 कांवड़ियों की मौत हो गई। 24 कांवड़िए घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। हादसा मंगलवार सुबह 5 बजे देवघर के

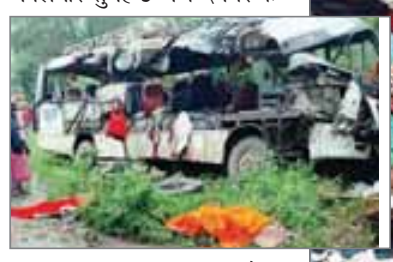

मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास नावापुरा गांव में हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का आधा हिस्सा पूरी तरह से धंस गया। कांवड़ियों के झोले और सामान बस में लटके दिख रहे हैं। हादसे में बस का ड्राइवर सीट समेत नीचे गिर गया। 100 मीटर तक बस बिना ड्राइवर के चली।

देवघर एसपी नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया- सुबह लगभग 05.30 बजे मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास बस हादसा हुआ है। इसमें 6 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। 24 लोग घायल हैं। 8 घायलों का एम्स में इलाज चल रहा है। बाकी लोग सदर अस्पताल में भर्ती हैं। हालांकि गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर 18 लोगों की मौत की जानकारी दी थी। न्यूज एजेंसी ने भी सांसद के हवाले से 18 लोगों की मौत की बात कही थी। पीएम मोदी, सीएम हेमंत सोरेन और राज्यपाल ने हादसे पर दुख जताया है। 40 कांवड़ियों से भरी बस देवघर से बासुकीनाथ जा रही थी। देवघर से 18 किमी पहले बस सामने से आ रहे सिलेंडर लदे ट्रक से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, बस ड्राइवर को झपकी आ जाने के कारण हादसा हुआ। टक्कर के बाद ड्राइवर सीट समेत सड़क पर गिर गया, उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही 3 महिला कांवड़ियों की घटनास्थल पर जान चली गई। 6 मृतकों में 4 बिहार के हैं। इनमें बेतिया की दुर्गावती देवी (45), पटना की संता देवी, गयाजी से सुमन कुमारी और वैशाली के पीयूष कुमार (19) हैं। ड्राइवर सुभाष तूरी (30) देवघर का रहने वाला था।

धर्मांतरण के लिए इंटरनेशनल साजिश के कड़ी जोड़ रही ईडी

रिमांड पर छांगुर से पूछताछ शुरू, विदेशी फंडिंग की जड़ तक पहुंचने की कोशिश

लखनऊ (एजेंसी)। धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को कड़ी सुरक्षा में एनआईए स्पेशल कोर्ट, लखनऊ में पेश किया। कोर्ट ने उसे 5 दिन की कस्टडी रिमांड में भेज दिया। आज से ईडी ने उससे पूछताछ शुरू कर दी है। 1 अगस्त की शाम 5 बजे तक ईडी की टीम उससे गहन पूछताछ करेगी। ईडी

ने अदालत में दावा किया कि छांगुर, उसकी सहयोगी नीतू रोहरा उर्फ नसरीन और नवीन रोहरा उर्फ जमालुद्दीन के खातों में पिछले पांच वर्षों में 63.09 करोड़ रुपए जमा हुए हैं, जिनमें एक बड़ी रकम विदेश से ट्रांसफर की गई है। वहीं, एटीएस और ईडी की संयुक्त जांच में अब तक बैंक डिटेल से करीब 104.6 करोड़ रुपए के लेनदेन की पुष्टि हो चुकी है। इसमें से 41 लाख रुपए सीधे छांगुर के खाते में आए हैं। अधिकांश फंडिंग नीतू रोहरा उर्फ नसरीन और उसके पति नवीन रोहरा उर्फ जमालुद्दीन के खातों से हुई है। ईडी अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह रकम किसने, क्यों और किस मकसद से भेजी थी।

15 लोग बताइए, जो जिंदा लेकिन लिस्ट से नाम कटा

● एससी ने कहा-ज्यादा वोटर्स के नाम कटे तो हस्तक्षेप करेंगे

पटना (एजेंसी)। बिहार में हो रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर आज फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- अगर बड़े पैमाने पर वोटर्स के नाम कटे हैं तो हम हस्तक्षेप करेंगे। सुप्रीम कोर्ट 12 अगस्त से बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई शुरू करेगा। एसआईआर को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की तरफ से कोर्ट में कहा गया कि 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इनमें से कुछ अपना घर

छोड़कर कहीं और चले गए हैं, कुछ मर गए हैं। जस्टिस बागची ने कहा-हम इस पूरे मामले को देख रहे हैं। अगर बड़े पैमाने पर मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से काटा जा रहा है, तो हम तुरंत हस्तक्षेप करेंगे। आप ऐसे 15 लोगों को लेकर आइए जो कहें कि वे जीवित हैं और उनको मरा दिखाकर नाम काट दिया गया है। सोमवार को कोर्ट ने एसआईआर पर रोक से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने ईसीआई से कहा था-अगर खामी मिली तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर देंगे।

हिंदू धर्म सबको साथ लेकर चलने वाला धर्म है:संघ चीफ

भागवत बोले-

कट्टर हिंदू का मतलब दूसरों का विरोध करना नहीं,बल्कि सबको अपनाना है

कोच्चि (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि कट्टर हिंदू होने का मतलब दूसरों का विरोध करना नहीं है,बल्कि हिंदू होने का असली मतलब सबको अपनाना है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म सबको साथ लेकर चलने वाला धर्म है। भागवत ने कहा- अक्सर गलतफहमी हो जाती है कि अगर कोई अपने धर्म के प्रति दृढ़ है तो वह

दूसरों का विरोध करता है। हमें यह कहने की जरूरत नहीं कि हम हिंदू नहीं हैं। हम हिंदू हैं, लेकिन हिंदू होने का सार यह है कि हम सभी को अपनाएं। वे कोच्चि में संघ से जुड़ी संस्था शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में देश भर के शिक्षाविद और विचारक पहुंचे हुए थे। उन्होंने मैकॉले द्वारा थोपे गए औपनिवेशिक शिक्षा मॉडल को आज के भारत के लिए अनुपयुक्त बताया।

वन्यजीवों के बेहतर संरक्षण का आदर्श केन्द्र बना एमपी : सीएम

कहा–प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच को क्रियान्वित कर प्रदेश में हुआ चीतों का सफल पुनर्स्थापन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को टाईगर स्टेट का गौरव प्राप्त है, हमारे राज्य में 9 टाईगर रिजर्व हैं। बाघ सहित सभी वन्यजीवों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और इनके संरक्षण और उनके बेहतर प्रबंधन के आदर्श केन्द्र के रूप में मध्यप्रदेश की पहचान बनी है। वन्यजीव संरक्षण के लिए स्थानीय समुदाय की सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार के इन प्रयासों से पारिस्थितिकी तंत्र के मजबूत होने के साथ प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर भोपाल में 'अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया और प्रदेशवासियों को नागपंचमी की बधाई दी। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्यजीवों के परिवहन के लिए तीन वन्यजीव वाहन, तीन वन्य जीव चिकित्सा वाहन और दो डॉग स्क्वायड रेस्क्यू वाहनों का लोकार्पण किया। उन्होंने वन्यजीव परिवहन के लिए वाहनों में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

- **सीएम ने कहा–उज्जैन और जबलपुर में जू और वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर किए जाएंगे विकसित**

वनकर्मियों के अथक प्रयासों से प्रदेश वन क्षेत्र और वन्यजीवों से हो रहा समृद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वनकर्मियों के अथक प्रयासों से प्रदेश में वन क्षेत्र समृद्ध हो रहा है और वन्यजीवों की संख्या भी बढ़ रही है। मध्यप्रदेश बाघ और मनुष्य के एक साथ रहने के उदाहरण के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदर्शी सोच को क्रियान्वित करते हुए प्रदेश चीतों के पुर्नस्थापन में भी सफल रहा है। राज्य में रातापानी को आठवें टाईगर अभ्यारण्य का दर्जा मिला है। राज्य सरकार ने उज्जैन और जबलपुर में जू (चिड़ियाघर) और वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर विकसित करने की योजना बनाई है। यह केवल पारंपरिक जू नही होंगे, बल्कि वन्यजीवों के संरक्षण एवं पुनर्वास के लिये समर्पित 'वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर' के रूप में विकसित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूरी दुनिया में जितने बाघ हैं, उससे ज्यादा बाघ हमारे देश के अंदर है। देश में अगर सबसे बड़ा कोई राज्य बाघ को अपने राज्य के अंदर गौरव से रखता है तो वह राज्य मध्यप्रदेश है। डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर रातापानी और माधव नेशनल पार्क - दोनों टाइगर अभयारण्य हमारे द्वारा बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मेरी अपनी ओर से राज्य के गौरव के लिये आप सबको बधाई देता हूँ। टाइगर रिजर्व के पास के बफर जोन में भी टाइगर सफारी प्रारंभ करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया वन्यजीव संरक्षण पर केंद्रित प्रदर्शनी का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्यजीव संरक्षण संबंधी गतिविधियों पर केंद्रित प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया। प्रदर्शनी में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों से आयीं बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी बांधी। पेंच टाइगर रिजर्व द्वारा बाघ संरक्षण और प्रबंधन में सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए चलाए जा रहे 'बाघ देव' अभियान के कार्यक्रम स्थल पर बने स्टॉल पर पहुंच कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में बाघों की संख्या में वृद्धि की मनोकामना करते हुए सांचे से बाघ की प्रतिकृति निर्मित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य वन्यजीव योजना 2023-2043 के हिंदी संस्करण, चीता निश्चेतन तथा प्रबंधन पर विकसित मैन्युअल, भविष्य में वन्य जीव प्रबंधन संबंधी कार्यशाला के निष्कर्षो पर विकसित रिपोर्ट, पेंच टाइगर रिजर्व द्वारा विकसित पुस्तक तथा गिद्ध गणना रिपोर्ट का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा हाथियों के चिन्हांकन के लिए विकसित डोजियर और डाक विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर प्रकाशित विशेष आवरण तथा जंगली उल्लू प्रजाति पर केंद्रित पोस्टर का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हाथी मानव संघर्ष को कम करने के लिए विकसित ऐप 'गजरक्षक' लांच किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में विभिन्न वृत्तचित्रों के टीजर जारी किए गए। इसके अंतर्गत पेंच टाइगर रिजर्व द्वारा 'स्थानीय समुदाय की सहभागिता से बाघ प्रबंधन' पर विकसित फिल्म, कान्हा टाइगर रिजर्व द्वारा विकसित फिल्म 'मृत्युंजय', सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पर केंद्रित फिल्म 'सतपुड़ा कल आज और कल' तथा चीता पुनर्वास पर केंद्रित फिल्म 'अबोड़ ऑफ चीताज़' के टीजर रिलीज किए गए।

वन्यजीव संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वनकर्मी और संस्थाएं हुईं सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्यजीव संरक्षण में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कार प्रदान किए। इसके अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर को सजा दिलाने तथा इंटरपोल द्वारा प्रशंसा प्राप्त अपराध अन्वेषण दल के सदस्यों को सम्मानित किया गया। साऊथ अफ्रीका से लाए गए चीतों के कुशल प्रबंधन-संवर्धन और संरक्षण के लिए सक्रिय वन्यजीव प्रबंधन दल के सदस्यों का भी सम्मान हुआ। प्रदेश में वन्य जीवों के स्वास्थ्य, अनुश्रवण और उपचार में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ चीतों के स्वास्थ्य और उपचार में सहयोग के लिए स्कूल ऑफ वाईल्ड लाईफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ जबलपुर की संचालक श्रीमती शोभा जावरे का सम्मान किया गया। इस क्रम में बाघ पुनर्वास में योगदान के लिए वन क्षेत्रपाल माधव टाईगर रिजर्व सुश्री शुभी जैन, ग्राम विस्थापन में सराहनीय योगदान के लिए संजय टाईगर रिजर्व के वन क्षेत्रपाल श्री महावीर सिंह पांडे, बाघ अनुश्रवण एवं गौर पुर्नस्थापन में योगदान के लिए सतपुड़ा टाईगर रिजर्व के श्री मणिराम महावत, चीते की सतत् निगरानी और सुरक्षा में योगदान के लिए वन मंडल मंदसौर के वन पाल श्री दिनेश सिंह कुशवाह को सम्मानित किया गया। वन्यजीवन रेस्क्यू श्रेणी के अंतर्गत सतना के वनरक्षक श्री रामसुरेश वर्मा और पन्ना टाईगर रिजर्व के वनरक्षक श्री रामपाल प्रजापति सम्मानित हुए। ग्राम विकास और वन्यजीव द्वंद को कम करने में योगदान के लिए पेंच टाईगर रिजर्व की मिर्चीबाड़ी ईको विकास समिति, वन्य जीवन सुरक्षा और उनके स्थानांतरण कार्य में योगदान के लिए कान्हा टाईगर रिजर्व के महावत श्री गुलाब सिंह उईके और ग्रामीण विकास तथा पर्यटक सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पेंच टाईगर रिजर्व के सुरक्षा श्रमिक श्री हृदय मसकोले को सम्मानित किया गया। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप सिंह अहिरवार ने कहा कि वन्य जीव संरक्षण में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि दिलाने में प्रदेश के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विश्व में मध्यप्रदेश टाईगर स्टेट के रूप में पहचान बना चुका है। मध्यप्रदेश बाघ, चीता, गिद्ध, भेड़िया की संख्या में प्रथम स्थान पर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में गिद्ध की गणना हुई, अन्य वन्यजीवों के संरक्षण के लिए प्रदेश में नवाचार किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, श्री रवींद्र यति, अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव, वन सुरक्षा समितियों, ईको विकास समिति, ग्राम वन समिति के सदस्य और वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

एमपी हाईकोर्ट को मिल गए 11 नए जज

अब 44 हो गई संख्या, 53 है निर्धारित जजों की संख्या

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में ग्यारह नए जजों की नियुक्ति की अधिसूचना केंद्रीय विधि विभाग के द्वारा जारी की गयी है। नवनियुक्त हाईकोर्ट जजों में सात अधिवक्ता कोटे और चार न्यायिक कोटे के हैं। संभवतः नवनियुक्त जजों का बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह होगा। 11 नए जजों की नियुक्ति के साथ ही एमपी हाईकोर्ट में जजों की संख्या बढ़ जाएगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में निर्धारित न्यायाधीशों की संख्या 53 है। वर्तमान में

हाईकोर्ट में 33 न्यायाधिश नियुक्त हैं। नवनियुक्त जजों की नियुक्ति के बाद कुल न्यायाधीशों की संख्या 44 हो जाएगी। नवनियुक्त जजों की नियुक्ति के बाद भी मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में न्यायाधिश के 9 पद रिक्त हैं। केंद्रीय कानून विभाग ने राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद सोमवार को 11 न्यायाधीशों की नियुक्ति आदेश की अधिसूचना जारी की है। अधिवक्ता कोटे से पुष्पेंद्र यादव जबलपुर, जय कुमार पिल्लई जबलपुर, आनंद सिंह बहरावत इंदौर, हिमांशु जोशी इंदौर, अजय कुमार निरंकारी ग्वालियर को न्यायाधीश बनाया गया है। वहीं, न्यायिक कोटे से रामकुमार चौबे, राजेश कुमार गुप्ता, आलोक अवस्थी, रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन, भगवती प्रसाद शर्मा और प्रदीप मित्तल को अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। संभवतः बुधवार को नवनियुक्त न्यायाधीशों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। गौरतलब है कि जजों की संख्या कम होने के कारण हाईकोर्ट में बहुत सारे केस लंबित हैं। एमपी में हाईकोर्ट जबलपुर में है। वहीं, इसके दो बेंच इंदौर और ग्वालियर में हैं। नए जजों के लिए शपथग्रहण समारोह का आयोजन जबलपुर में ही किया जाएगा। अभी एमपी के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा हैं।

श्रद्धालुओं के लिए और भी सुविधाजनक बनेगा ओंकारेश्वर तीर्थ दर्शन

प्रबंधन समिति की बैठक में निर्णय,समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी

भोपाल। सावन के महीने में श्रद्धालुओं के लिए ओंकारेश्वर में दर्शन व्यवस्था सुगम बनायी गई है। सावन माह के बाद एक माह तक विशेष तौर पर महाराष्ट्र से श्रद्धालु ओंकारेश्वर आते हैं इस दौरान भी यहाँ समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। ओंकारेश्वर में ममलेश्वर मंदिर की नवगठित प्रबंधन समिति की पहली बैठक गत दिवस ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम परियोजना कार्यालय के सभा कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, संभागायुक्त इंदौर श्री दीपक सिंह के अलावा कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक खण्डवा, नगर परिषद ओंकारेश्वर की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा

परिहार सहित मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यगण मौजूद थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि मंदिर में प्रचलित परंपराओं में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, सभी परंपराओं का पहले की तरह ही पालन किया जाएगा। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि ममलेश्वर मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनायेंगे। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि ममलेश्वर मंदिर परिसर में विकास कार्यों की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के माध्यम से तैयार कराई जाए, और उसी के हिसाब से मंदिर परिसर में विकास कार्य किए जाएं। उन्होंने मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाकर कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर खंडवा श्री गुप्ता ने बताया कि ममलेश्वर मंदिर की वेबसाइट बना ली गई है। कुछ ही दिनों में ममलेश्वर मंदिर के लाइव दर्शन की सुविधा भी वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। शीघ्र दर्शन, पार्थेश्वर पूजन, कालसर्प पूजन, जलाभिषेक जैसी सुविधाएं भी वेबसाइट के माध्यम से श्रद्धालुओं को ऑनलाइन ही मिलने लगेगी।

पेंशनरों ने लगाया न्यायालय की अवमानना का आरोप

भोपाल। वित्त विभाग का वेतन वृद्धि संबंधी 16 जुलाई का परिपत्र न्यायालयीन आदेश की अवमानना शासकीय सेवकों की 30 जून/31 दिसंबर को सेवानिवृत्ति के पश्चात आगामी तिथि पर वेतन वृद्धि के संबंध में 16 जुलाई 2025 को जारी किया गया परिपत्र पारित न्यायालयीन निर्णय की अवमानना है । उच्च न्यायालय जबलपुर की प्रिंसिपल बेंच द्वारा रिट याचिका क्रमांक 23620/2024 में पारित निर्णय दि. 9/5/2025 की प्रमाणित प्रति संलग्न कर दि. 26 मई 2025 को एसोसिएशन ने सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे एवं वित्त विभाग के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी को प्रस्तुत कर अनुरोध किया था कि जो शासकीय सेवक न्यायालय नहीं गए हैं उन्हें न्यायालयीन आदेशानुसार 30 जून/31 दिसंबर को सेवानिवृत्ति के पश्चात आगामी तिथि पर वेतन वृद्धि एवं सभी परिणामी लाभ 1 मई 23 से 6 सप्ताह में 7 प्रतिशत ब्याज के साथ दिए जाएं, के विपरीत वित्त विभाग द्वारा 16 जुलाई को जारी परिपत्र से न्यायालयीन आदेश की अवेहलना हुई है। यह आरोप लगाते हुए पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना एवं संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग एवं वित्त को न्यायालयीन निर्णय के अनुपालन में शीघ्र आदेश जारी करने हेतु पत्र लिखा है। भोपाल जिले के अध्यक्ष सुरेश शर्मा एवं नर्मदापुरम के अध्यक्ष दिनेश चतुर्वेदी ने कहा है कि वित्त विभाग ने 18 नवंबर 24 को जारी परिपत्र में तय सीमा में संशोधन नहीं किया है एवं जिसके कारण न्यायालयीन आदेश की अवमानना हुई है, इस संबंध में शीघ्र ही एसोसिएशन द्वारा पेंशनरों के हित में विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

यूक्रेन के डॉ. यूरी बोत्वींकिन ने सुनाई हिंदी में रचनाएँ

भोपाल। 'यूरी बोत्वींकिन' वरिष्ठ रचनाकार एवं अध्यक्ष, हिंदी और भारतीय साहित्य केंद्र, कीव राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, यूक्रेन ने रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के मुक्त धारा सभागार, टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में हिंदी में स्वरचित रचनाओं का पाठ कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे के सान्निध्य में यूक्रेन के रचनाकार डॉ.यूरी बोत्वींकिन ने एकल रचना-पाठ में प्रेम, दर्शन, पौराणिक और अध्यात्म पर केंद्रित उम्दा रचनाओं का पाठ किया।

उल्लेखनीय है कि डॉ. यूरी बोत्वींकिन बेहतरीन हिंदी बोलते हैं और उससे भी ज्यादा वे भारतीय संदर्भों को बहुत अच्छे से समझते हैं। हिंदी से गहरे लगाव के चलते हिंदी शिक्षण के लिए उन्होंने ग्वालियर मध्यप्रदेश में अपने विद्यार्थी जीवन का महत्वपूर्ण समय गुजारा है। उन्होंने ग्वालियर में बिताए युवावस्था के रोचक संस्मरण सुनाकर सावन के सुहाने मौसम में सभी के अंतर्मन को प्रेमरस की रिमझिम फुहारों में भीगो दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जवाहर कर्नावट, निदेशक, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र एवं सलाहकार, प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति केंद्र द्वारा किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ कवि एवं दूरदर्शन के पूर्व महानिदेशक लीलाधर मंडलोई, वरिष्ठ कवि डॉ. ए. अरविंदाक्षन (केरल), वरिष्ठ कवि डॉ. जितेन्द्र श्रीवास्तव (दिल्ली), विश्वविद्यालय की कुल सचिव डॉ. संगीता जौहरी, सुप्रसिद्ध रंग निर्देशक राजकमल नायक सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमियों और रंगकर्मियों की भागीदारी रही।

भोपाल के राइडर्स ने नासिक में लहराया परचम

देशभर की इकलौती मासून रैली में मार ली बाजी

- **30 किलोमीटर के ट्रैक में दिखाई अपनी काबिलियत**

भोपाल। महाराष्ट्र के नासिक में आयोजित टीवीएस मानसून स्कूटर रैली 2025 में भोपाल के राइडर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत का परचम लहराया। खतरनाक मोड़ों, पथरीली जमीन, कीचड़ और पानी भरे गड्ढों से भरे इस चुनौतीपूर्ण 30 किमी ट्रैक में भोपाल के राइडर्स ने अपनी काबिलियत साबित की। रैली का आयोजन स्पोर्ट्स क्राफ्ट नासिक और FMSCI द्वारा किया गया। यह रैली तकरीबन 30 वर्षों से आयोजित हो रही है और हर बार

नासिक की पहाड़ियों में इसी स्थान पर होती है। भोपाल के मोहम्मद अली (सुबूर), जिन्होंने इस बार भी हिस्सा लिया, ने बताया कि यह स्कूटर रैली बेहद कठिन होती है। बारिश, कीचड़, ढलान और ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर स्कूटर चलाना आसान नहीं होता। लेकिन यही इसका रोमांच है। मोहम्मद अली ने बताया कि इस कठिन ट्रैक में राइडर्स को न केवल पहाड़ी चढ़ाई और ढलान से गुजरना पड़ा, बल्कि कई जगहों पर कीचड़ और फिसलन ने भी उन्हें चुनौती दी। रेस में प्रतिभागियों को एक-एक करके छोड़ा गया, जिससे हर राइडर को अपना स्किल दिखाने का पूरा मौका मिला।

बागेश्वर धाम में महिलाओं को जबरन एम्बुलेंस में भरा

पुलिस ने जब पकड़ा तो सेवादार बोले– इन्हें घर भेज रहे

भोपाल। छतरपुर के लवकुशनगर थाना क्षेत्र में सोमवार रात करीब 9 बजे डायल 100 की टीम को एक एम्बुलेंस में 13 महिलाओं को ले जाने की सूचना मिली। पुलिस ने पठा चौकी क्षेत्र में एम्बुलेंस को रोका और महिलाओं को थाने लाया गया। इस मामले का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में एक व्यक्ति एम्बुलेंस ड्राइवर से पूछताछ कर रहा है, जिसमें ड्राइवर कह रहा है कि पन्ना के सेवादार कल्लू दादा ने महिलाओं को महोबा रेलवे स्टेशन छोड़ने को कहा था। वहीं, महिलाओं ने आरोप लगाया कि बागेश्वर धाम की सेवादार मिनी ने उनके बाल पकड़कर जबरन एम्बुलेंस में बिठाया। उनको जान से मारने की धमकी दी। उनको नहीं पता कि ये लोग कहां लेकर जा रहे थे। महिलाओं ने

बताया कि वे बागेश्वर धाम दर्शन और पेशी के लिए आई थीं। वीडियो में एक युवती कह रही है कि उन्हें कहीं ले जाकर जान से मार दिया जाएगा। उसने कहा कि धमकी दी गई है कि न जाने पर काटकर फेंक देंगे। एक लड़की ने रोते हुए कहा कि वो बागेश्वर धाम में रहती थी और परिवार वाले परेशान करते हैं। उसे नहीं पता कि उसे कहां ले जाया जा रहा है। लड़की ने वापस बागेश्वर धाम जाने की इच्छा जताई। वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने कहा कि लड़की इतनी भयभीत है कि कुछ बोल नहीं पा रही है। टीआई अजय अंबे ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि ये महिलाएं पिछले 6 महीने से बागेश्वर धाम में रुकी हुई थीं। इन पर धाम में चोरी, चेन स्नैचिंग और अन्य अप्रिय घटनाओं को अंजाम देने का आरोप था। पूछताछ के बाद सभी महिलाओं को छोड़ दिया गया। बागेश्वर धाम के सेवादार और रिटायर्ड शिक्षक कुंज बिहारी ने बताया कि ये महिलाएं पेशी के नाम पर धाम में रुकी हुई थीं। धाम में लगातार चोरियां हो रही थीं। करीब 70-80 ऐसे लोगों को निगरानी में रखा गया था।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में नवाचार: एमपी सायकॉन 2025 में एम्स भोपाल की नेतृत्वकारी भूमिका और उभरते उपचारात्मक हस्तक्षेपों की प्रस्तुति

भोपाल। एम्स भोपाल अपने कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में अकादमिक उत्कृष्टता, वैश्विक अनुसंधान सहयोग और प्रमाण-आधारित नवाचार की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप, एम्स भोपाल ने एमपी सायकॉन 2025 ङ्क इंडियन सायकेट्रिक सोसायटी, मध्यप्रदेश स्टेट चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह सम्मेलन 26 और 27 जुलाई 2025 को आयोजित हुआ। इस वर्ष सम्मेलन का विषय था - 'इंटरवेंशनल सायकेट्री : ट्रीटमेंट इंटरवेंशन्स की ओर एक दृष्टिकोण', जिसके माध्यम से मनोरोग चिकित्सा में नवीनतम हस्तक्षेपों पर विशेषज्ञों द्वारा व्यापक चर्चा की गई। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के 200 से अधिक मनोरोग विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। एम्स भोपाल की अकादमिक भागीदारी इस सम्मेलन में विशेष रही। एम्स भोपाल के डीन (अकादमिक) को कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य

को सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं में एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया। एम्स भोपाल के पीजी मनोरोग प्रशिक्षुओं ने क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता को सिद्ध किया। इसके अतिरिक्त, एम्स भोपाल के मनोरोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. विजेन्द्र सिंह को मध्यप्रदेश राज्य के मनोरोग विशेषज्ञों की संस्था, आइडियल सायकेट्री वेलफेयर सोसायटी का माननीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। वैज्ञानिक सत्रों में rTMS (रिपिटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन) थेरेपी, अल्ट्रा-ब्रीफ पल्स ईसीटी, केटामाइन इन्फ्यूजन थेरेपी, एवं प्रेसिजन मेडिसिन जैसे उन्नत मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों पर विशेष चर्चा की गई। सम्मेलन में संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएं, पैनल चर्चाएं एवं शोधपत्र/पोस्टर प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। डॉ. सलोनी सिदाना, मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश एवं सीईओ, स्टेट मेंटल हेल्थ अथॉरिटी, ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मेलन को संबोधित किया और राज्य में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के विकास हेतु अपने विजन को साझा किया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि एनएचएम, मध्यप्रदेश द्वारा एम्स भोपाल के साथ बड़े स्तर पर सहयोग की योजना बनाई जा रही है।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा- 'मानसिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य का आधार है। इंटरवेंशनल सायकेट्री जैसे नवाचार मानसिक उपचार की दिशा में नई क्रांति लेकर आ रहे हैं। एम्स भोपाल इस क्षेत्र में शैक्षणिक और क्लीनिकल नेतृत्व प्रदान कर रहा है और राज्य में सुलभ एवं समावेशी मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

संपादकीय

दिव्याः नई चेस क्वीन!

भारत के जाने माने चेस (शतरंज) खिलाड़ी और ग्रेंडमास्टर रहे विश्वनाथन आनंद का यह कहना अतिश्योक्ति नहीं है कि यह समय भारतीय चेस का स्वर्णिम काल है। क्योंकि भारतीय चेस खिलाड़ी दुनिया में छाए हुए हैं। हाल में जॉर्जिया के बातूमि में खेले गए फ़िडे महिला वर्ल्ड कप 2025 में आखिरकार दिव्या देशमुख ने बाज़ी मार ली और अपनी ही व पूर्व ग्रेंडमास्टर हमवतन कोनेरू हम्पी को हराकर वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया। गौरतलब है कि मात्र 19 वर्ष की दिव्या फ़िडे महिला वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली भारतीय हैं। फाइनल में दोनों ही भारतीय खिलाड़ियों के होने से विश्व कप भारत को ही मिलेगा, यह तय था। इस जीत को अनुभव और उम्र पर युवा शक्ति और सामर्थ्य भी कहा जा सकता है। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच क्लासिकल मुक़ाबले ड्रॉ रहे। शनिवार और रविवार को हुए क्लासिकल मैच में ग्रैंड मास्टर कोनेरू हम्पी ने शतरंज की नई स्टार दिव्या देशमुख को बढ़त नहीं लेने दी। क्लासिकल मैच 1-1 अंक की बराबरी पर रहा। 19 साल की दिव्या यह सिर्फ़ दूसरा मौक़ा था जब भारत की दो खिलाड़ियों ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफ़ाई किया था। खेल समीक्षकों का मानना है कि हम्पी और दिव्या के बीच खिताबी मुक़ाबला दो पीढ़ियों का संघर्ष था। हम्पी की उम्र 38 साल है, जबकि दिव्या 19 साल की हैं। कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख दोनों ने ही सेमीफ़ाइनल में चीनी प्रतिद्वंद्वियों को हराया था। पर दिव्या के मुक़ाबले हम्पी को जीत पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। हम्पी मौजूदा विश्व रैपिड चैंपियन हैं। लेकिन शुरुआती रैपिड बाज़ियों में वह उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सकीं और चीन की तिंगजी लेई के खिलाफ़ पिछड़ गईं। हम्पी ने अंतिम रैपिड बाज़ी जीतकर किसी तरह मुक़ाबले को टाईब्रेकर कहलाने वाली ब्लिट्ज़ बाज़ियों में खींच दिया। हम्पी इन मुक़ाबलों में पूरे भरोसे के साथ खेलती दिखीं और दोनों बाज़ियां जीतकर फ़ाइनल में स्थान बनाने के बाद कहा था कि भारतीय शतरंज के लिए यह सबसे ज़्यादा खुशी का क्षण है। फाइनल बहुत ही कठिन होने वाला है, क्योंकि दिव्या ने इस विश्व कप में बहुत ही उम्दा प्रदर्शन किया है। कोनेरू हम्पी की यह बात सही साबित हुई और वो दिव्या देशमुख को हराने में कामयाब नहीं हो सकीं। संतरों के शहर नागपुर की रहने वाली दिव्या शुरू से ही प्रतिभाशाली चेस प्लेयर हैं। उनके माता पिता दोनों ही पेशे से डॉक्टर हैं। दिव्या का शतरंज सफ़र रिकॉर्डों से भरा रहा है। वह 2013 में मात्र सात साल की उम्र में महिला फ़िडे मास्टर बनीं और सबसे कम उम्र में यह उपलब्धि पाने वाली खिलाड़ी बनीं। वो पहली खिलाड़ी हैं, जिसने इस विश्व कप शतरंज के फ़ाइनल में स्थान बनाया और वो इस मामले में सबसे कम उम्र खिलाड़ी हैं। दिव्या ने उन्होंने ग्रैंडमास्टर नॉर्म भी पूरी कर ली है और अब वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली भारत की चौथी महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले सिर्फ़ कोनेरू हम्पी, डी हरिका और वैशाली रमेशबाबू ही ग्रैंडमास्टर बनने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी रही हैं। हालांकि दिव्या का कहना है कि वह 'दुर्घटनावश' शतरंज खिलाड़ी बनीं। बचपन में वह अपनी बड़ी बहन की तरह बेडमिंटन खेलना चाहती थीं, लेकिन लंबाई कम होने से उनकी रूचि शतरंज में बढ़ने लगी। फिर उसी में मन रम गया और वह जल्द ही निष्णात शतरंज खिलाड़ी बन गईं। उनके माता पिता ने दिव्या के शौक को पूरा सपोर्ट किया। दिव्या की प्रतिभा को देखते हुए विश्वनाथन आनंद ने भी उन्हें काफी टिप्स दीं। जिसका दिव्या को काफी लाभ हुआ। आज दिव्या पर पूरे देश को नाज है। वो यूं ही भारत का नाम ऊंचा करती रहें।

पप्पू यादव का सियासी तड़का, चुनौती या रणनीति

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बिहार बंद में अपने कथित अपमान के बाद जो बयान दिया है, उसका सीधा असर राजद नेता और विधानसभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव पर पड़ सकता है। सांसद पप्पू यादव ने भावी सीएम के नाम पर तेजस्वी यादव की चर्चा न कर महागठबंधन की राजनीति में भूचाल ला दिया है। बड़ी बात तो ये हो गई कि सांसद पप्पू यादव ने महागठबंधन की राजनीति में कांग्रेस को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में आने का एक तरह से न्योता ही दे डाला। जानते हैं कि ऐसा पप्पू यादव ने क्या कहा कि बिहार की राजनीति चकरघिन्नी की तरह घूम गई। बिहार की राजनीति में सीएम फेस को लेकर पप्पू यादव ने एक नई बाजी बिछा दी है। वह भी बयानों से नहीं बल्कि राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर बिहार की सियासत पर बात की। और कांग्रेस से एक बार बिहार के नेतृत्व के प्रति आग्रह भी कर गए।

नजरिया

शाहिद नकवी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात के बाद बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सियासी हलचल मचाने वाला बयान दिया। उन्होंने इशारों में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार मानने से इनकार करते हुए राजेश राम और तारिक अनवर को कांग्रेस की ओर से संभावित चेहरे के रूप में पेश किया। बता दें कि पप्पू यादव अपनी जन अधिकार पार्टी को कांग्रेस में विलय कर चुके हैं। वह कांग्रेस के बड़े नेताओं के संपर्क में हैं। हाल में ही राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद कहा कि उन्हें दोनों नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी की प्राथमिकता एनडीए और बीजेपी को रोकना है। पप्पू यादव ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम को बड़ी भूमिका सौंपे जाने की बात कही और उन्हें संभावित मुख्यमंत्री चेहरों में से एक बताया। इसके साथ ही उन्होंने तारिक अनवर का नाम भी प्रस्तावित किया, जिससे तेजस्वी यादव की उम्मीदवारी पर सवाल उठ गए।

पप्पू यादव के इस बयान ने महागठबंधन में दरार की अटकलों को हवा दी है, जबकि राजद ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी यादव ही उनके नेता रहेंगे। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बिहार बंद में अपने कथित अपमान के बाद जो बयान दिया है, उसका सीधा असर राजद नेता और विधानसभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव पर पड़ सकता है। सांसद पप्पू यादव ने भावी सीएम के नाम पर तेजस्वी यादव की चर्चा न कर महागठबंधन की राजनीति में भूचाल ला दिया है। बड़ी बात तो ये हो गई कि सांसद पप्पू यादव ने महागठबंधन की राजनीति में कांग्रेस को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में आने का एक तरह से न्योता ही दे डाला। जानते हैं कि ऐसा पप्पू यादव ने क्या कहा कि बिहार की राजनीति चकरघिन्नी की तरह घूम गई। बिहार की राजनीति में सीएम फेस को लेकर पप्पू यादव ने एक नई बाजी बिछा दी है। वह भी बयानों से नहीं बल्कि राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर बिहार की सियासत पर बात की। और कांग्रेस से एक बार बिहार के नेतृत्व के प्रति आग्रह भी कर गए।

पप्पू यादव ने एक बार फिर बिहार में नेतृत्व को ले कर दलित और मुस्लिम से किसी नेता को आगे लाने की सलाह दी। पप्पू यादव ने इस संदर्भ में पत्रकारों से भी बात की और कहा कि कांग्रेस के पास मुख्यमंत्री पद के चेहरों की कमी नहीं है। बिहार के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और सांसद तारिक अनवर सीएम फेस हो सकते हैं। तारिक अनवर के पास तो अपार अनुभव भी है। सांसद पप्पू यादव ने एक बार फिर राजद के दलित और मुस्लिम प्रेम की परीक्षा ले ली। यही काम स्व. रामविलास पासवान ने भी किया था। फरवरी , 2005 के विधानसभा चुनाव के परिणाम जब आए तो

रामविलास पासवान किंगमेकर बन कर उभरे थे।उस चुनाव में आरजेडी को 75 सीटें हासिल हुई। 84 सीटों पर लड़ने वाली कांग्रेस 10 सीटें जीती और लालू को चुनौती देने वाले पासवान 29 सीट जीतकर किंगमेकर बने। इधर, बीजेपी को 37 और नीतीश की पार्टी जेडीयू को 55 सीटें मिली। हालांकि इस चुनाव में एक खंडित जनादेश था, पर पासवान लालू को समर्थन देते तो आरजेडी लेफ्ट कांग्रेस और निर्दलीय के साथ मिलकर सरकार बना सकती थी, लेकिन पासवान ने ऐन मौके पर मुस्लिम सीएम की शर्त रख कर राजद सुप्रीमो की बोलती बंद कर दी और 1990 से बिहार की सत्ता संभाले राजद सुप्रीमो के हाथ से सत्ता चली गई। इस बार मुस्लिम या दलित सीएम का कार्ड खेल पप्पू यादव ने कांग्रेस के आलाकमान को नेतृत्व का पाठ पढ़ा दिया। साथ ही राजद के छद्म मुस्लिम और दलित प्रेम को उजागर भी कर दिया।

दरअसल, यह वर्ष 2025 के चुनावी जंग का ट्रेलर है। जहां पप्पू यादव का मकसद तेजस्वी यादव को सीएम के रेस से बाहर रखना है। इसकी शुरुआत दिल्ली में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ पप्पू यादव की मुलाकात के साथ ही चुकी है। जाहिर है नेतृत्व को लेकर कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और कन्हैया कुमार ने भी तेजस्वी यादव पर ना कहा था। वाम दल भी इसी विचार के साथ चल कर तेजस्वी के नेतृत्व की घोषणा से परहेज रखने की सलाह दी थी। अब पप्पू यादव की मुहिम क्या रंग लाती है यह तो समय के गर्भ में है। पर सीएम फेस को लेकर महागठबंधन में बहस की गुंजाइश तो बन गई है। अब सवाल ये खड़ा होता है कि पप्पू यादव का दलित और मुस्लिम कार्ड रणनीति है या बगावत? पप्पू यादव का यह प्रस्ताव कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है क्योंकि बिहार की राजनीति में जाति और समुदाय का गणित हमेशा से अहम रहा है। आरजेडी का पारंपरिक वोट बैंक 'एम-वाय' (मुस्लिम-यादव) गठजोड़ पर आधारित है, जिसमें यादव और मुस्लिम समुदायों का मजबूत समर्थन शामिल है हालांकि,दलित समुदाय में आरजेडी की पैठ उतनी मजबूत नहीं रही,क्योंकि दलित वोटर ऐतिहासिक रूप से बीएसपी,एलजेपी ,कांग्रेस,और बीजेपी जैसी पार्टियों की ओर झुके हैं।

एक और बात पप्पू यादव का यह बयान महागठबंधन में दरार की अटकलों को बल देता है।तेजस्वी यादव को आरजेडी ने पहले ही 2025 के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है, और पप्पू यादव का वैकल्पिक नाम सुझाना लालू परिवार की रणनीति के लिए एक चुनौती है।पप्पू यादव का यह कदम लालू यादव और आरजेडी के लिए कई मायनों में एक झटका माना जा सकता है।तेजस्वी की उम्मीदवारी पर सवाल।तेजस्वी यादव को आरजेडी ने 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए अपना निर्विवाद नेता घोषित किया है।पप्पू यादव का तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार मानने से इनकार करना और वैकल्पिक नाम सुझाना आरजेडी की एकजुटता को कमजोर कर सकता है।यह लालू परिवार की उस छवि को चुनौती देता है, जिसमें तेजस्वी को बिहार में आरजेडी का भविष्य माना जाता है।एक और बात महागठबंधन में पहले से ही तनाव के संकेत हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस की सक्रियता, खासकर कन्हैया कुमार और पप्पू यादव को बढ़ावा देना, लालू यादव को असहज कर रहा है। कांग्रेस का यह रुख संकेत देता है कि वह आरजेडी की शर्तों पर गठबंधन में नहीं रहना चाहती और अपनी स्वतंत्र रणनीति पर काम कर रही है।इस मुद्दे को लेकर अगर कांग्रेस अलग राह चुनती है, जैसा कि दिल्ली में आप के साथ हुआ, तो लालू यादव के लिए यह एक बड़ा नुकसान हो सकता है।

कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह कांग्रेस की ओर से आरजेडी पर दबाव बनाने की रणनीति हो सकती है, ताकि सीट बंटवारे और नेतृत्व के मुद्दों पर कांग्रेस को अधिक लाभ मिले।पप्पू यादव ने यह भी कहा कि राहुल गांधी का अंतिम निर्णय ही मायने रखेगा,जिससे यह संकेत मिलता है कि उनका बयान कांग्रेस के आलाकमान की सहमति से हो सकता है।इसके अलावा, पप्पू यादव का इतिहास रहा है कि वह विवादास्पद बयानों और स्वतंत्र रुख के जरिए सुर्खियां बटोरते हैं। उनका यह बयान भी उनकी छवि को मजबूत करने और सीमांचल में अपने समर्थकों को एकजुट करने का प्रयास हो सकता है। वैसे लालू यादव इस तरह की चुनौतियों से निपटने में माहिर हैं। वह पहले भी कई सियासी संकटों से उबरे हैं और उनकी रणनीति हमेशा से सामाजिक न्याय और 'एम-वाय' समीकरण पर आधारित रही है।

खेती को अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा

माँ के दूध में जहर

निलेश देसाई

जुलाई 2025 को प्रकाशित दैनिक भास्कर के कोटा संस्करण की एक ख़बर ने न केवल चिकित्सा और पोषण विशेषज्ञों को, बल्कि हर संवेदनशील नागरिक को गहरे सोचने पर मजबूर कर दिया। इस खबर में बताया गया कि अख़बार द्वारा 105 स्तनपान कराने वाली माताओं के दूध के नमूनों की जाँच कराई गई, और परिणाम अत्यंत चिंताजनक रहे–सभी के दूध में कीटनाशक, डिटर्जेंट और यूरिया जैसे जहरीले तत्व पाए गए। यह सिर्फ एक वैज्ञानिक या चिकित्सा विषय नहीं है, यह एक सामाजिक चेतावनी है–हमारी खाद्य श्रृंखला में ज़हर इतना अंदर तक समा चुका है कि अब वह एक नवजात शिशु के पहले आहार, यानी माँ के दूध तक पहुँच चुका है।

इस खबर पर बात करना इसलिए भी उपयुक्त है क्योंकि हर वर्ष अगस्त माह के पहले सप्ताह में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इसका उद्देश्य शिशुओं के स्वास्थ्य और विकास में स्तनपान की भूमिका को महत्व देना है। यह कार्यक्रम स्तनपान के प्रति जागरूकता पैदा करने के अलावा, इसको लेकर व्याप्त भ्रांतियों को दूर करके दुनिया भर में शिशुओं के लिए स्तनपान को बढ़ावा देता है। स्तनपान बच्चे के लिए कुदरत का एक अनमोल उपहार है, जो मां और बच्चे दोनों को पोषण और भावनात्मक लगाव प्रदान करता है। हालांकि, कई माताओं को इसको लेकर चुनौतियों और समाज में व्याप्त भ्रांतियों का भी सामना करना पड़ता है, जिसके कारण उन्हें बच्चे को स्तनपान कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्तनपान को लेकर उचित जानकारी, सहायता की कमी तथा भिन्न-भिन्न प्रकार की भ्रांतियों के कारण महिलाओं के लिए बच्चे को स्तनपान कराना आसान नहीं होता। ये कारण उन्हें बच्चों को स्तनपान कराने के लिए हतोत्साहित करती है, इस वजह से बहुत सारे बच्चे आवश्यक पोषण से वंचित रह जाते हैं। फॉर्मूला फीडिंग या बोतल बंद दूध को लेकर भी मान्यता है कि यह बच्चों के लिए मां के दूध के समान ही लाभकारी है, जो कि बिल्कुल गलत है।

सच्चाई यह है कि मां का दूध बच्चे के लिए सर्वोपरि है, क्योंकि मां के दूध से न केवल बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक क्षमता का विकास होता है, बल्कि उन्हें भरपूर पोषण भी मिलता है। मां का दूध शिशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए भी एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करता है। विज्ञान कहता है कि माँ का दूध नवजात के लिए सबसे पौष्टिक, स्वाभाविक और रोग प्रतिरोधक आहार होता है। परंतु जब इसी दूध में ज़हर मिलने लगे, तो यह केवल एक स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाता, बल्कि यह हमारे पूरे सामाजिक, कृषि और विकास तंत्र पर सवाल बन जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, इन 105 महिलाओं में से 96 के दूध में क्लोरपायरीफॉस जैसे खतरनाक कीटनाशक पाए गए, 97 में प्रतिबंधित रसायन डीडीटी, 87 में डिटर्जेंट, और 89 में यूरिया। इतना ही नहीं, करीब आधे सैंपलों में एंटीबायोटिक दवाइयों और हार्मोनल रसायनों के अंश भी मिले। यह सभी ऐसे पदार्थ हैं जो सीधे-सीधे खेतों, खाद्य पदार्थों और जल स्रोतों के ज़रिए हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं।

यह संकट अचानक नहीं आया है। बीते पाँच दशकों में भारत की कृषि प्रणाली में जो बदलाव आया है, वह उत्पादन बढ़ाने पर केंद्रित तो रहा, लेकिन इसकी क़ीमत हमने भूमि की उर्वरता, जलस्रोतों की शुद्धता, किसान की आत्मनिर्भरता और अब मानव स्वास्थ्य से चुकाई है। हरित क्रांति के बाद से किसानों को हाइब्रिड बीजों, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों के एक ऐसे चक्रव्यूह में धकेला गया, जहाँ से बाहर निकलना मुश्किल होता गया। खेतों में यूरिया और डीएपी का अंधाधुंध प्रयोग, सब्ज़ियों और फलों में त्वरित उत्पादन हेतु हॉर्मोनल स्प्रे और दूध उत्पादन में वृद्धि के लिए ऑक्सीटॉसिन जैसी खतरनाक दवाओं का उपयोग अब आम बात हो गई है।

यही रसायन खाद्यान्नों, सब्जियों, फलों, दूध और पानी के माध्यम से आम जनता के शरीर में प्रवेश करते हैं। विशेष रूप से महिलाओं के शरीर में ये विषैले तत्व वसा ऊत्तकों में संग्रहीत हो जाते हैं, और जब वे माँ बनती हैं, तो वही ज़हर स्तन दूध के माध्यम से नवजात के शरीर में पहुँच जाता है। यह स्थिति केवल एक शिशु के बीमार पड़ने की नहीं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी की शारीरिक और मानसिक सेहत पर असर डालने वाली है।

यह गंभीर सवाल हमें मजबूर करता है कि क्या हमारे नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिक संस्थानों, और समाज के रूप में हमारे निर्णय सही दिशा में जा रहे हैं? क्या हम अब भी कृषि को केवल उत्पादन और लाभ के चश्मे से देखेंगे या अब यह मानने को तैयार होंगे कि खेती अब केवल खाद्य उत्पादन नहीं, बल्कि जीवन सुरक्षा से जुड़ा विषय बन चुकी है?

इस प्रश्न का उत्तर हमें अपने अतीत में तलाशना होगा। भारत की पारंपरिक खेती व्यवस्था, जिसे हम अब 'देशी' या 'प्राकृतिक खेती' कहते हैं, सदियों तक हमारे समाज की रीढ़ रही है। यह खेती किसी हरित क्रांति या रासायनिक फार्मूले पर नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ गहरे सामंजस्य पर आधारित थी। देशी बीज, देसी गाय का गोबर और मूत्र, जंगल की जैव विविधता, फसलों का मिश्रण, और मौसम के अनुरूप तकनीकें-इन सबका संतुलित प्रयोग होता था। इस प्रणाली में खेत की मिट्टी जिंदा रहती थी, पानी ज़हरमुक्त रहता था, और उत्पादन भले ही सीमित होता, लेकिन पौष्टिक और सुरक्षित होता था।

आज जब हम माँ के दूध में ज़हर के प्रमाण देख रहे हैं, तब यह ज़रूरी हो गया है कि हम फिर से देशी खेती और देशी बीजों की ओर लौटें। देशी बीजों की सबसे बड़ी विशेषता यह होती है कि वे स्थानीय जलवायु और मृदा के अनुसार विकसित होते हैं, उन्हें रासायनिक खाद की आवश्यकता नहीं होती, और ये किसान को बीज के लिए बाज़ार पर निर्भर नहीं बनाते। देशज ज्ञान और परंपराएं, जैसे जीवामृत, बीजामृत, मल्टीक्रॉपिंग, और पंचगव्य, खेतों को फिर से जीवित कर सकते हैं।

देशभर में कई जगहों पर देशी खेती की पहलें फिर से पनप रही हैं। झारखंड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के कई गाँवों में किसान जैविक खेती, बीज बचाओ आंदोलन, और महिला समूहों द्वारा पोषण वाटिका जैसे नवाचारों में लगे हुए हैं। इन पहलों ने साबित किया है कि रासायनिक खेती का विकल्प न केवल संभव है, बल्कि अधिक टिकाऊ, पोषणदायी और पर्यावरण के अनुकूल भी है।

अब यह समय आ गया है कि सरकारें और समाज मिलकर इस दिशा में नीतिगत और व्यावहारिक कदम उठाएं। खेती की शिक्षा से लेकर सार्वजनिक पोषण योजनाओं तक, हमें देशी खेती के उत्पादों को वरीयता देनी होगी। किसानों को देशी बीजों का संरक्षण और पुनरुत्पादन सिखाना होगा। विद्यालयों, आंगनवाड़ियों और अस्पतालों में रसायनमुक्त भोजन की आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी। और सबसे महत्वपूर्ण, हमें जनजागरण चलाना होगा – यह बताने के लिए कि आज देशी खेती अपनाना केवल एक पर्यावरणीय या सांस्कृतिक निर्णय नहीं, बल्कि एक जीवन रक्षा का संकल्प है।

माँ का दूध फिर से अमृत बन सके, इसके लिए हमें खेतों में जहर घोलने वाली खेती को त्यागना ही होगा। यह कार्य आसान नहीं, लेकिन अनिवार्य है। यदि हम एक ज़हर मुक्त बचपन चाहते हैं, तो हमें एक ज़हर मुक्त कृषि व्यवस्था का निर्माण करना ही होगा - और यह शुरुआत देशी बीज, देशी गाय, और देशज ज्ञान से ही संभव है।

भगदड़ का कारण जानना और निवारण जरूरी

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

आए दिन कहीं न कहीं भीड़ का एकत्रीकरण होता रहता है। कहीं किसी गलतफहमी या अफवाह के चलते भगदड़ मच जाती है, कहीं कुछ एक मारे जाते हैं और बहुतेरे घायल भी हो जाते हैं। मामले की जांच बैठाई जाती है, कुछ एक को दोषी करार दे दिया जाता है तो कुछ एक को दंडित भी कर दिया जाता है। लेकिन ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो, इस दिशा में गहराई से संज्ञान लिया जाता हो, ऐसा दावे के साथ नहीं कहा जा सकता। वैसे कुछ एक घटना दुर्घटना इतनी आकस्मिक हुआ करती है कि जिसकी कल्पना भी न की जा सके। लेकिन फिर भी बार-बार होने वाली ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए पुख्ता व्यवस्था तो की जा सकती है।

लेकिन जब लोगों में धार्मिक भावना की प्रबलता के चलते श्रद्धाभाव कूट-कूट कर भरा दिखाई देता हो या कि उनमें उत्साह का अतिरेक हो, कम से कम ऐसे अवसर पर संभावित रूप से जुटने वाली भीड़ का पूर्वानुमान तो लगाया ही जा सकता है। वैसे भी आम लोगों की धार्मिक, सामाजिक और अपनी-अपनी रुचि के मुताबिक अलग-अलग विषयों को लेकर गहरा रुझान रहा करता है। जिसके चलते अनेक अवसरों पर अप्रत्याशित रूप से भीड़ जुट जाया करती है। लेकिन ऐसा अवसर भी एकाएक नहीं आता। अधिकांश संदर्भों में पिछले अनुभव के साथ-साथ देशकाल और परिस्थिति का ध्यान रखते हुए भारी भीड़ के एकत्रीकरण का काफी हद तक सटीक अनुमान लगाया जा सकता है।

वैसे भी जनमानस में धर्म के प्रति अगाध श्रद्धा का भाव देखा जाता है। अपने इष्ट की आराधना में भारी भीड़ के एकत्रीकरण का भी अलग-अलग दौर एवं समय हुआ करता है। देश की अधिकांश आबादी पूर्णकालिक रोजगार से संबद्ध नहीं है। विशेष कर वर्षा काल में ग्रामीण परिवेश की अधिकांश आबादी का धार्मिक रुझान शेष समय की तुलना में उफान पर रहा करता है। तीर्थाटन और पर्यटन की दृष्टि से भी यही समय उनके अनुकूल हुआ करता है। इसके विपरीत कुशल अकुशल श्रम की क्षेत्रीय मांग और व्यापारियों के लिए धंधे का मौसम होने पर आमतौर पर धार्मिक समागम में अपेक्षित जन समूह का एकत्रीकरण नहीं हो पाता।

हालांकि भगदड़ के पीछे विध्वंसक तत्वों की कारगुज़ारी की संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता। जैसा कि कहा जाता है कि भीड़ का कोई विवेक नहीं होता, इसलिए विध्वंसक तत्वों द्वारा भीड़ में भगदड़ मचाने का काम और भी आसान हो जाता है। एक हल्की सी सुरसुरी देखते ही देखते शोला बन जाया करती है। इस स्थिति से बचने के लिए शासन-प्रशासन के खुफिया तंत्र को और अधिक चौकन्ना रहने की जरूरत है। विभिन्न स्थानों पर मची भगदड़ के पीछे एक कारण यह भी निकल कर आया है कि छोटी सी अफवाह या गलतफहमी ने ने लोगों की भीड़ में दहशत फैला दी। इसलिए भीड़ के बीच प्रमाणिक संदेश की भी पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए।

जब आयोजक वर्ग के अनुमान से कई गुना अधिक जन समूह का एकत्रीकरण हो जाता है। तमाम व्यवस्थाएं अपर्याप्त सिद्ध होने लगती है। इसलिए शासन-प्रशासन को हर छोटे बड़े आयोजन के संदर्भ में आयोजक वर्ग से न्यूनतम के साथ-साथ अधिकतम उपस्थिति का अनुमान पता कर लेना चाहिए। इसके अतिरिक्त उसकी अपने स्तर पर भी सटीक समीक्षा कर लेने का प्रयास भी करना चाहिए। दरअसल भारी भीड़ एक ही स्थान पर एकत्रित न हो, इसके लिए उसे अलग-अलग समूह में विभाजित करना भी एक अच्छा कदम हो सकता है। कुल मिलाकर लोगों की भीड़ के एकत्रीकरण के चलते अब तक मची भगदड़ के मूल कारणों को मद्देनजर को रखते हुए ही हर दृष्टि से पर्याप्त बंदोबस्त किया जाना चाहिए।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

नीतीश जी दिल्ली जा रहे हैं बस उन्होंने बताया नहीं है

सचिन सिंह परिहार

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बिहार में एक अद्भुत परंपरा है। यहाँ नेता बोलें या ना बोलें, पब्लिक तय कर देती है कि उन्हें क्या सोचना है, और मीडिया उसे ब्रेकिंग न्यूज़ बना देती है। और जब बात हो नीतीश कुमार की, तो फिर अफवाहें नहीं उड़तीं, माउंट एवरेस्ट से फिसलती बर्फ जैसी दौड़ती हैं।

तो अब चर्चा है कि नीतीश कुमार उपराष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। हाँ, वही नीतीश बाबू जो पिछले बीस साल से बिहार की राजनीति में ऐसे जमा है जैसे दादी के ट्रंक में रखी पुरानी साड़ी निकलती नहीं, लेकिन सब जानते हैं कि ज़रूरी वही है।

खैर, लोग कहते हैं कि वे दिल्ली जा रहे हैं। क्यों? क्योंकि वो कुछ नहीं कह रहे। दरअसल, नीतीश जी अगर कुछ कहते हैं तो लोग कहते हैं जरूर कुछ गड़बड़ है ! और अगर कुछ नहीं कहते हैं तो कहा जाता है बिलकुल पक्का है, कुछ बड़ा होने वाला है ! यानी नीतीश कुमार के मौन में इतनी ताक़त है कि दिल्ली की राजनीति थरथरा जाती है।

अब भाई साहब, कुछ पत्रकार कह रहे हैं कि नीतीश जी को उपराष्ट्रपति बनाया जाएगा। अरे भैया, क्यों बनाया जाएगा? क्या उनको राजभवन में जाकर बैठने की इतनी बेचैनी है कि वे खुद बोलें भी नहीं और लोग उनके लिए पद खोज ले ?

कुछ उत्साही विश्लेषक बोल रहे है नीतीश जी अब बीजेपी के लिए बोझ बन गए हैं ! हाँ, जैसे कोई पुरानी अलमारी जो घर में रखी है लेकिन काम की नहीं । और बीजेपी वो तो जैसे नए इंटीरियर डिज़ाइनर हैं, बस पुराने फर्नीचर से पीछा छुड़ाना चाहते है । लेकिन असली मज़ा तो तब आया जब एक टीवी चैनल ने बताया कि सूत्रों के हवाले से पता चला है कि नीतीश जी को उपराष्ट्रपति बनाए जाने की तैयारी है। वो 'सूत्र' कौन हैं, ये नहीं बताया। हम समझ गए पान की दुकान वाले मोहन काका होगे , जिसने कहा होगा अरे भाई, नीतीश अब बुजुर्ग हो गए हैं, दिल्ली भेज देना चाहिए !

बीजेपी भी चुप है। वो चुप्पी ऐसी है जैसे पत्नी गुस्से में हो और पति मुस्कराकर बोले सब ठीक है। अब बताइए, ऐसा कौन सा गठबंधन है जिसमें दोनों पक्ष चुप रहें और बाहर वाले कहें अब तलाक़ होने वाला है।

हमारे चावड़ा जी बोले बिहार में बीजेपी नंबर वन बनना चाहती है, नीतीश को हटाकर ।अरे भैया, बिहार कोई बिस्कुट का पैकेट है जो स्टोर से हटाते ही नया ब्रांड बिकने लगेगा ? यहां के वोटर चाय पीते समय जाति का हिसाब लगाते हैं और फिर पर्चा भरने जाते हैं।

अब सवाल ये है अगर नीतीश जी उपराष्ट्रपति बन भी गए, तो क्या होगा? एक तस्वीर आएगी नीतीश कुमार ने उपराष्ट्रपति भवन में कार्यभार संभाला, शपथ समाहरो में आए प्रधानमंत्री जी मुस्कराए। बस। इसके बाद कैमरा नीतीश को ढूंढता रह जाएगा।

बिहार में फिर तेजस्वी यादव खुलकर कहेंगे देखा, बिहार को दिल्ली वालों ने फिर ठगा लिया ! और बीजेपी कहेगी हम तो विकास कर रहे हैं । और जनता? वो बोलेगी चलो भैया, अब अगली जाति जनगणना की तैयारी करो !

असल में नीतीश जी एकदम परफेक्ट राजनीतिक संत हैं न ज़्यादा बोलते हैं, न ज़्यादा दिखते हैं, और जब भी बोलते हैं, तो लोग इतना सोचने लगते हैं कि बयान से ज़्यादा सोच चर्चित हो जाता है।

उपराष्ट्रपति बनना कोई मुहल्ले की आरडब्ल्यूए का प्रेसिडेंट बनना नहीं है, जहां मोहल्ले वाले जबरदस्ती नाम लिख दें। नीतीश जी को पूछना पड़ेगा क्या मिलेगा वहाँ ? बिजली-पानी की फाइल मिलेगी या बिहार के गाँवों की चिंता कर सकेंगे ?

तो साहब, जब तक नीतीश कुमार खुद प्रेस कांफ्रेंस में आकर न कहें मैं दिल्ली जा रहा हूँ, तब तक मान लीजिए वो पटना में ही हैं, और आप सबकी बातों का मज़ा ले रहे हैं।

और आखिर में, एक विनम्र निवेदन कृपया नीतीश कुमार के मौन को 'दिल्ली टिकट' का प्रतीक न मानें। वो राजनीति के बुद्ध हैं बोलें तो गूढ़, न बोलें तो अफवाहों के आराध्य।

समाज

पल्लवी सक्सेना

लेखक यूके निवासी साहित्यकार हैं।

लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप और टूटते दिलों की दास्तां

यूँ भी आजकल तो लिविंग रिलेशनशिप का जमाना है। कोई भी किसी के भी साथ रहने को तैयार हो जाता है। बिना उसे जाने, बिना ठीक से पहचाने क्यों? क्यूंकि साथ रहेंगे तभी तो जानेंगे पहचानेंगे ना एक दूसरे को! और जैसे ही असलियत सामने आती है तो वही लोग एक दूसरे को यह कहते नजर आते हैं कि साथ रहना ही कौन चाहता है या फिर लाश के रूप में बॉडी फ्रिज में पायी जाती है तो कभी ड्रम में पायी जाती है। यह कैसा प्यार है? मुझे तो समझ नहीं आता। आपको आता है क्या?

प्यार में दिल का टूटना तो जैसे आम सी बात हो गयी है 'दिल ना हुआ कोई कांच का समान हो गया' जो बात बात पर टूट जाता है। मन का कुछ ना मिला तो टूट गया। यह भी कोई बात हुई भला! हम्म! किसी भी दिल के रिश्ते में मिलना बिछड़ना तो लगा ही रहता है। यह कोई नयी बात तो नहीं है। लोग परिवार के रिश्तों में बंध के नहीं रह पा रहे है तो किसी अजनबी के साथ बने चंद दिनों के रिश्ते की बिसात ही क्या है। नहीं? फिर कुछ लोग कहते है चंद दिनों की बात नहीं बल्कि 3-4 साल पुराना रिश्ता था हमारा, अरे भई जब खून के रिश्तों में कोई आत्मीयता नहीं रही, तो चंद दिन हो या कुछ एक साल क्या फर्क पड़ता है।

लेकिन कहने वाले तो यही कहते है 'फर्क तो पढ़ता है'। क्या सच में फर्क पड़ता है? या सिर्फ 'चार दिन की चांदनी और फिर अँधेरी रात' वाली बात हो जाती है। दिल का टूटना क्या होता है यह तुम क्या जानो रमेश बाबू कभी प्यार किया होता तो पता चलता! कहते है दिल के टूटने की कोई आवाज नहीं होती। ऐसा आजकल के समय को देखते हुए तो नहीं लगता। क्यूंकि लोग एक दूसरे पर विश्वास ही नहीं करते। तो जब नींव ही कमजोर होगी तो इमारत के मजबूत होने का गुमा रखना ही बेकार है। छोटी छोटी बातों पर लड़ाई झगड़े, मार पीट, शिकवे शिकायतें। वह एक दूसरे को समझने वाली बात ही नहीं होती और फिर सब रोते है दिल टूट ने पर अवसाद में चले जाते है और कई तो गलत कदम तक उठा लेते है। या तो खुद मर जाते है या आजकल कि तरह सामने वाले को मार देते है।

यूँ भी आजकल तो लिविंग रिलेशनशिप का जमाना है। कोई भी किसी के भी साथ रहने को तैयार हो जाता है। बिना उसे जाने, बिना ठीक से पहचाने क्यों? क्यूंकि साथ रहेंगे तभी तो जानेंगे पहचानेंगे ना एक दूसरे को! और जैसे ही असलियत सामने आती है तो वही लोग एक दूसरे को यह कहते नजर आते है कि साथ रहना ही कौन चाहता है या फिर लाश के रूप में बॉडी फ्रिज में पायी जाती है तो कभी ड्रम में पायी जाती है। यह कैसा प्यार है? मुझे तो समझ नहीं आता। आपको आता है क्या?

पहले डेटिंग, फिर लिविंग, और फिर भी कुछ समझ नहीं आया तो ब्रेकअप। यानी अपने अपने रास्ते किसी नये पंछी की तलाश में वाह! री मुहब्बत, प्यार, लगाव, समर्पण, त्याग, जैसे शब्दों का तो आजकल के नवयुवकों / युवतियों से दूर दूर तक कोई वास्ता ही नहीं है। उनके हिसाब से तो यह सब तो बहुत ही पुराने जमाने की दकियानूसी बातें है। ऐसा कुछ नहीं होता या तो 'रिलेशन शिप' है या तो नहीं है।

लेकिन इन्हें यह कौन समझाये कि रिश्ता चाहे जो भी हो, यदि उसे बचाये रखना है तो समझौता करना ही पड़ता है। कभी चुप रहकर, कभी माफ़ करके, कभी नजरअंदाज करके, और यह दोनों पर लागू होता है। ख़ास कर प्यार जो त्याग मांगता है। जिसकी ना जाने कितनी मिसालें इतिहास में दर्ज है। ना जाने क्यों लोगों को ऐसा लगता है कि जिस रिश्ते में समझौता करना पड़े वह रिश्ता, रिश्ता कहलाने लायक नहीं होता।

जबकि वास्तव में ऐसा नहीं होता। जीवन का दूसरा नाम ही समझौता है। जिसके बिना जीवन जिया ही नहीं जा सकता। फिर चाहे आप प्यार में हो या शादी के बंधन में कभी अपने प्यार के लिए, कभी जो आपसे प्यार करते है उनके लिए, कभी अपने

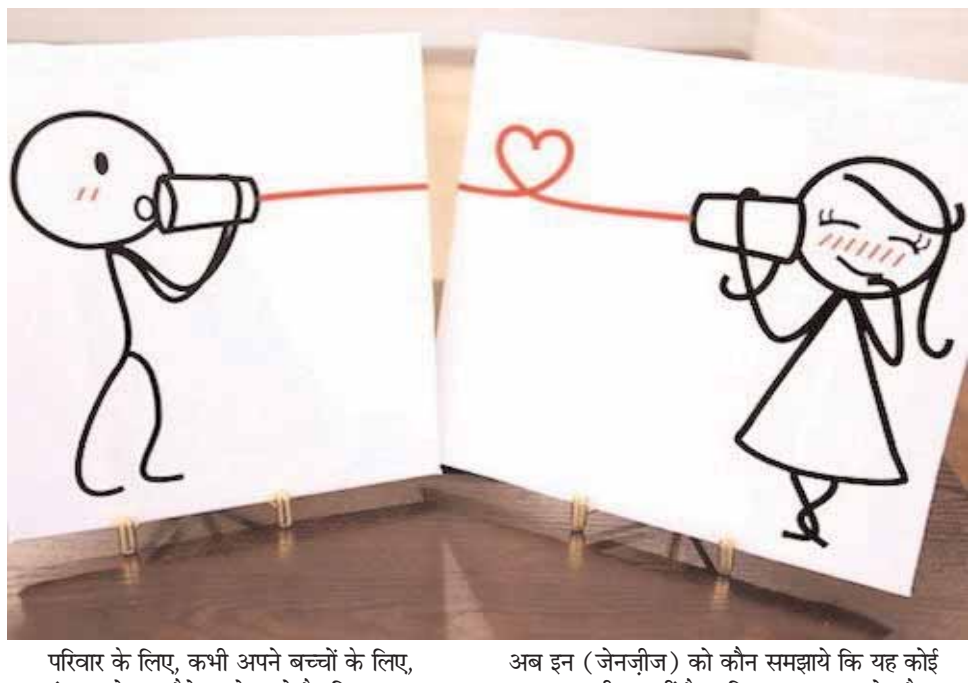

परिवार के लिए, कभी अपने बच्चों के लिए, इंसान को समझौते करने पड़ते है। किन्तु उसका अर्थ यह नहीं होता कि वह रिश्ते ही नहीं है या उन रिश्तों में प्यार ही नहीं है। ऐसे ही पिछले कुछ सालों से नया ट्रेड आया है (लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप) जिसमें दो प्यार करने वाले एक दूजे से दूर अलग रहकर अपना रिश्ता निभाते है। यहाँ अलग रहने का कारण कुछ भी हो सकता है। जैसे पढ़ाई, नौकरी, स्थानांतरण आदि कुछ भी।

अब इन (जेनज़ीज) को कौन समझाये कि यह कोई नया तरीका नहीं है। बल्कि बहुत पुराना ट्रेड है राम जी के जमाने से चला आरहा है। उर्मिला और लक्ष्मण जी का भी तो चौधा वर्ष का लोंग डिस्टेंस रिलेशन ही था ना फिर भी वह अलग नहीं हुए क्यूंकि उनके अंदर प्यार में भी समर्पण की भावना थी त्याग की भावना थी। श्री राधा और श्री कृष्ण का भी तो लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशन ही था ना फिर भी दोनों ने टूटकर पूरे समर्पण और त्याग के बल पर ही अपना रिश्ता निभाया।

खैर वह युग ही अलग था और वह लोग भी अलग थे। उन जैसे होना तो हम जैसे साधारण मानवों के लिए संभव ही नहीं है। लेकिन एक दूसरे की भावनाओं को समझते हुए उन भावनाओं का सम्मान तो हम कर ही सकते है। शांति से बात करके भी जटिल से जटिल समस्या को सुलझाया जा सकता है। अलग हो जाना किसी समस्या का समाधान नहीं होता। यह तो परेशानियों से भागना हुआ ना? यदि आज भाग गए तो आगे क्या? आज कितने छोटे छोटे कारणों की वजह से दिल टूट जाते है, रिश्ते छूट जाते है। कितनी आसानी से लोग दूसरे का दामन पकड़कर पहले को छोड़ जाते है। एक पल नहीं लगता उन यादों और उन पलों को भुलाने में जो कभी साथ बिताये थे दोनों ने, कितनी आसानी से कोई दूजा चला आता है दोनों के बीच और बदनाम हो जाती है दूरियाँ। वजह दी जाती है यह कहते हुए कि जब जरूरत थी तुम्हारी तब तुम साथ नहीं थे।

इतने कमजोर होते है यह रिश्ते, जिन्हें लोग प्यार का नाम दे देते है। जबकि वो प्यार ही क्या जो महज दूरियों की वजह से टूट जाये। बात बस एक दूसरे के हालातों को समझकर चलने की होती है। उस वजह को समझने की होती है जिसके कारण दूरी है। दूरी कुछ सालों की हो सकती ज़िन्दगी भर की तो नहीं। हाँ हालांकि कुछ दूरियाँ ऐसी भी होती है जिनकी कभी कोई भरपाई नहीं होती। लेकिन प्यार का दूसरा नाम इंतजार है, था और रहेगा। यदि प्यार सच्चा है तो सही वक्त आने का इंतजार तो करना ही पड़ेगा।

वक्रोक्ति

विश्वास व्यास

लेखक व्यंग्यकार हैं।

पहली नजर का धोखा

पता नहीं लोग क्यों कहते हैं कि पहली नजर में प्रेम हो जाता है। मैंने तो पहली, दूसरी, यहां तक कि सौवीं नजर तक कोशिश की है। पर अफसोस, प्रेम कभी नहीं हुआ। हां, एक-आध बार कंजक्टिवाइटिस ज़रूर हुआ है। साफ है, पहली नजर का प्रेम महज अफवाह है।

यहां तो हालत ये है कि पहली नजर में लेफ्ट टर्न भी ठीक से दिखाई नहीं देता। आदमी मुड़ता पहले है, इंडिकेटर बाद में देता है। ऐसे में पहली नजर में प्रेम की बात करना न्यायसंगत नहीं लगता।

वैसे भी, नजर कोई मोबाइल रिचार्ज तो है नहीं कि 'पहली नजर' के बाद उसकी वैलिडिटी खत्म हो जाएगी। आप दूसरी, तीसरी, हजारवीं नजर डालो, फिर आराम से प्रेम करो। कोई दिक्कत नहीं है। नजर का स्टॉक भरपूर दिया है भगवान ने!

यही कारण है कि मेरे पुरुष साथी हर नजर को पहली नजर मानते हैं। भले ही वह नजर हज़ारवीं बार डाली गई हो, प्रेम के प्रति उनका आग्रह वही रहता है जो पहली नजर में होता है।

खुद की सूरत भगवान ने भले ही कम इंक वाले खराब प्रिंटर से धुंधली या काली निकाली हो, भाई लोग सपने तो कोरियन-रशियन ही देखते हैं। इस मामले में स्वदेशी के प्रयासों यानी Make in India पर इनका कोई भरोसा नहीं होता। ये अलग बात है की यथार्थ में आना यही पड़ता है।

जबकि स्त्रियों के यहां बात कुछ गंभीर होती है। उन्हें पता है कि पहली नजर में धोखा भी हो सकता है। इसलिए वे इस छलावे में नहीं आती।

मुझे लगता है कि वे प्रेम में स्नेह, समर्पण और सुरक्षा चाहती होंगी। स्त्रियां तो सब्जी में बतौर खटाई डलने वाले टमाटर को भी पांच बार ठेले से उठाकर देखती हैं। वे उसका रंग, बनावट, गुणवत्ता को दस बार उलट-पलट कर देखने के बाद ही चुनती हैं। जब एक वक्त की सब्जी के लिए इतनी गहरी परीक्षा ली जाती है, तो प्रेम जैसी महत्वपूर्ण बात को स्त्रियां एक नजर में निपटा देती होंगी – ऐसा लगता नहीं है।

पहली नजर के जादू की बात करने वाले कभी किसी स्त्री के साथ साड़ियों की दुकान पर जाएं, तो उन्हें पता लगेगा कि – 'बेटा! नजर किस बला का नाम है?' सारी दुकान गद्दी पर बिछने के बाद भी दुकानदार को उसी नजर का इंतजार होता है, जिसे पसंद कहते हैं। स्वयं सिद्ध हो जाएगा कि पहली नजर में प्रेमी पसंद करने की बात फिजूल का शोशा है।

इन सबूतों के मद्देनज़र, प्रथम दृष्ट्या मुझे पहली नजर में प्रेम का दावा खारिज करने योग्य लगता है।क्योंकि दृष्टि है तो दृष्टि भ्रम भी है। रेगिस्तान में प्यासे को पानी यानी मरीचिका नजर आती है। कई बार पहली नजर के प्यासे भी ऐसे ही भ्रम में मारे जाते है।

मेरा सवाल ये भी है कि आखिर पहली ही नजर में प्रेम क्यों करना? इतनी जल्दबाजी क्यों? जबकि बचपन से सुनते आए हैं कि 'जल्दी का काम शैतान का होता है।' प्रेम तो भगवान से मिलाने वाली पवित्र भावना है। प्रेम में धैर्य की आवश्यकता होती है। यह कोई ट्रेन तो है नहीं कि जल्दी नहीं की तो छूट जाएगी!

स्त्री-पुरुष की नजर में भी अंतर होता है। स्त्रियां स्वभाव से भली और प्रेमिल होती हैं। पुरुष भी भला हो या न हो, पर प्रेमिल तो इतना होता है कि हर तरफ, हर जगह बस प्रेम ही तलाशता है। पुरुष बस ढाई अक्षर पढ़ कर इम्तिहान देना चाहता है। स्त्री पूरी किताब पढ़ना चाहती है। यह उनका स्वभाव है और हर वर्ष के परीक्षा परिणामों से सिद्ध भी है।

इधर वाली आधी यानि पुरुष आबादी नजर-वजर के चक्कर में नहीं पड़ती। सीधे-सीधे अपना दिल उछालती चलती है – बिल्कुल भंडारे के प्रसाद की तरह! जिसे सेवादार सड़क पर गाड़ियां रोक-रोक कर बांटते रहते हैं।

कई मामलों की तरह, यह भी हमारी सरकारों की कमी है कि प्रेम करने की कोई मान्य प्रक्रिया कभी जारी नहीं की गई। कानून और प्रक्रिया के अभाव में बेचारे प्रेमी अराजकता का शिकार हो रहे हैं। जाहिर है, यह सरकारों की बड़ी नाकामी है।

कई लोग परंपरा को कानून मान कर पहली नजर में प्रेम कर बैठे हैं, और जीवन भर के लिए नजर और नज़ारे दोनों से वंचित हैं। उनका प्रेम को लेकर नजरिया ही बदल गया है।

इधर मेरे जैसे कई लोग बाजार में दिल लिए, दिन में लाख पचास हजार स्त्रियों पर नजरें घुमाते फिर रहे हैं। कमबख्त प्रेम है कि होता ही नहीं।

मुझ जैसों की पहली नजर के जादू को न मानने वाली स्त्रियां लोकतंत्र को ठेस पहुंचा रही हैं। इससे संविधान की समानता की भावना संकट में है। क्योंकि किसी को तुरंत प्यार मिल जाता है तो किसी को स्थाई इंतजार!

मैंने इस संकट को दूर करने के लिए SOP – यानी Standard Operating Practice – बनाई है। सरकार चाहे तो जनहित में इसका उपयोग कर सकती है।

SOP के चरण इस प्रकार होंगे:

सबसे पहले आदमी का हुलिया स्कैन किया जाएगा। लुक्स कैसे हैं? बाल कैसे संवारता है या संवारती है? ऐसे सौंदर्य आधारित पैमाने पूरे होने पर नजर का अगला दौर शुरू होगा। फिर आएगा – पद, प्रतिष्ठा और पैसे का चरण।

प्रेम के पपहरे में यही अगला स्तर होगा।

क्योंकि प्रेम में पद, प्रतिष्ठा, पैसे के अनुप्रास का असली अलंकार – 'पैकेज' होता है।

एक अच्छा पैकेज आपके लिए पहली नजर में तो नहीं, पर उसके बाद वाली किसी नजर में प्रेम का बोनस ला सकता है।

यहां स्मरण रखें – सौंदर्य और पैकेज को एक-दूसरे से रिप्लेस किया जा सकेगा। दोनों मिल जाएं तो समझिए कि पिछले जन्म में आपने मोती बांटे थे। न मिलें तो जानिए कि तब बांटे गए मोती प्लास्टिक के रहे होंगे।

अंतिम चरण में विवाह की बात की जा सकती है – जो सामाजिक रूप से प्रेम का शिखर बिंदु है।

विडंबना यह है कि शिखर पर पहुंचने के बाद ढलान आता है।

बहुत से प्रेम उसी ढलान पर फिसल कर 'समझौते' के मैदान में आकर रुकते हैं। बस यही ध्यान रखने की जरूरत है कि यहां नजर न तो फिसले और न ही खराब हो। चाहे कुछ हो प्रेम का नजरिया बरकरार रखना होगा।

नजरिया ठीक होगा तो जिंदगी के नजारे बरकरार रहेंगे,
और आपके प्रेम को 'नजर' भी नहीं लगेगी –
भले ही प्रेम पहली नजर का हो या सौवीं नजर का!
प्रेमीगण इसे ही 'पहली समझ' मान लें –
तो प्रेम और प्रेमी – दोनों खुश रहेंगे।

मुक्त व्यापार पर कार्बन टैक्स की मार

आर्थिकी

अस्मिता सिंह

लेखक शोधार्थी हैं।

इस विचार की शुरुआत सबसे पहले यूरोपीय संघ ने की थी, जिसने कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) नामक नीति पेश की। ईयू में सीबीएएम की ट्रांजिशन प्रक्रिया 1 अक्टूबर 2023 से शुरू है, और 1 जनवरी 2026 से इसे पूरी तरह लागू किया जाएगा। इसके बाद ब्रिटेन भी 1 जनवरी 2027 से इस व्यवस्था को लागू करेगा। अमेरिका और कनाडा जैसे देश भी इस दिशा में सक्रिय प्रयास कर रहे हैं। इन सभी देशों का तर्क है कि यह नीति कार्बन लीकेज को रोकने के लिए आवश्यक है अर्थात् वे नहीं चाहते कि उनकी घरेलू कंपनियां सख्त पर्यावरणीय नियमों का पालन करके आर्थिक नुकसान उठाएं, जबकि दूसरे देशों की कंपनियां ढीले कानूनों का फायदा उठाकर सस्ते में उत्पादन करें और वैश्विक बाज़ार में अनुचित प्रतिस्पर्धा पैदा करें। सीबीएएम जैसे कदम पर्यावरणीय न्याय सुनिश्चित करने के साथ-साथ घरेलू उद्योगों की रक्षा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माने जा रहे हैं।

13 वर्षों की बातचीत और 14 दौर की बैठकों के बाद भारत और ब्रिटेन के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता हाल ही में संपन्न हुआ है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इस समझौते से दोनों देशों को अनेक उत्पादों और सेवाओं में रियायतें मिलेंगी। लेकिन इस ऐतिहासिक समझौते की सबसे महत्वपूर्ण और शायद सबसे चुनौतीपूर्ण बात यह है कि इसमें 'कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट टैक्स' को लेकर भारत को कोई छूट नहीं मिली है।

दरअसल यह एक प्रकार का कार्बन टैक्स है। यह एक ऐसा तंत्र है जिसमें विकसित देश यह तय करते हैं कि जो भी उत्पाद विदेशों से आ रहा है, यदि उसके उत्पादन में अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन हुआ है, तो उस पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा जिससे देश की स्थानीय कंपनियों को नुकसान न हो और पर्यावरण संतुलन बना रहे। इसका तर्क यह है कि यदि एक देश ने घरेलू उद्योगों को कड़े पर्यावरणीय मानकों में बाँध रखा है, तो वह दूसरे देशों के प्रदूषणयुक्त सस्ते उत्पादों को अपने बाजार में बिना जवाबदेही प्रवेश नहीं दे सकता।

इस विचार की शुरुआत सबसे पहले यूरोपीय संघ ने की थी, जिसने कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) नामक नीति पेश की। ईयू में सीबीएएम की ट्रांजिशन प्रक्रिया 1 अक्टूबर 2023 से शुरू है, और 1 जनवरी 2026 से इसे पूरी तरह लागू किया जाएगा। इसके बाद ब्रिटेन भी 1 जनवरी 2027 से इस व्यवस्था को लागू करेगा। अमेरिका और कनाडा जैसे देश भी इस दिशा में सक्रिय प्रयास कर रहे हैं। इन सभी देशों का तर्क है कि यह नीति कार्बन लीकेज को रोकने के लिए आवश्यक है अर्थात् वे नहीं चाहते कि उनकी घरेलू कंपनियां सख्त पर्यावरणीय नियमों का पालन करके आर्थिक नुकसान उठाएं, जबकि दूसरे देशों की कंपनियां ढीले कानूनों का फायदा उठाकर सस्ते में उत्पादन करें और वैश्विक बाज़ार में अनुचित प्रतिस्पर्धा पैदा करें। सीबीएएम जैसे कदम पर्यावरणीय न्याय सुनिश्चित करने के साथ-साथ घरेलू उद्योगों की रक्षा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माने जा रहे हैं। सिद्धांत रूप से यह विचार पृथ्वी के लिए हितकारी लग सकता है, लेकिन व्यवहार में यह विकासशील देशों के लिए एक चुनौतीपूर्ण बाधा बन गया है।

यह पहली बार है कि भारत ने किसी ऐसे देश के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया है जिसमें सीबीएएम को लेकर स्पष्ट प्रतिबद्धता शामिल है, और भारत के लिए यह एक नवीन चुनौती की तरह है क्योंकि इसमें भारत के हितों की संरक्षा के लिए कोई ठोस नीति-आधारित गारंटी नहीं दी गई है, न कर छूट, न संक्रमणकालीन समायोजन का अवसर, और न ही कोई संस्थागत तंत्र जिसके माध्यम से भारत भविष्य में इस पर चर्चा या विरोध कर सके। हालांकि, यूरोपीय संघ के साथ बातचीत चल रही है, और भारत ने वहां भी सीबीएएम को लेकर आपत्ति दर्ज की है। डब्ल्यूटीओ में भी भारत ने इस पर सवाल उठाया है कि यह टैक्स व्यापार की स्वतंत्रता के सिद्धांतों के विरुद्ध है।

दरअसल सीबीएएम जलवायु न्याय के नाम पर एक तंत्र है, लेकिन इसकी मूल प्रकृति पर गंभीर सवाल उठते हैं। जलवायु न्याय का अर्थ है कि जिन देशों ने इतिहास में सबसे अधिक प्रदूषण किया है, वे इस संकट के समाधान की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उठाएं। लेकिन विकसित देश सीबीएएम जैसे तंत्र बनाकर उस जिम्मेदारी का भार विकासशील देशों पर हस्तांतरित कर रहे हैं। यह एक प्रकार की 'नई जलवायु उपनिवेशवाद' की ओर इशारा करता है, जहाँ पर्यावरण की आड़ में विकासशील देशों की प्रगति को रोका जा रहा है।

सीबीएएम के लागू होने से भारत को कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। सबसे पहले, स्टील, सीमेंट और फर्टिलाइज़र जैसे उत्पादों पर अतिरिक्त टैक्स लगने से भारतीय निर्यात की प्रतिस्पर्धा घटेगी। उद्योगों पर डी-कार्बनाइजेशन का दबाव बढ़ेगा, जबकि MSME और छोटे निर्यातक तकनीक एवं पूंजी की कमी के कारण पीछे छूट सकते हैं। इसके अलावा, EU और ब्रिटेन जैसे देश आयातित वस्तुओं का कार्बन फुटप्रिंट मांगेंगे, लेकिन भारत में फिलहाल ऐसा कोई सशक्त और पारदर्शी मूल्यांकन या प्रमाणन ढांचा मौजूद नहीं है, जिससे यह प्रक्रिया और जटिल हो जाती है।

सीबीएएम को केवल एक टैक्स नहीं, बल्कि एक चेतावनी और अवसर दोनों के रूप में देखना होगा। यह हमें अपने उद्योगों को हरित दिशा में ले जाने की प्रेरणा देता है। भारत को अब इसे दबाव नहीं, बल्कि परिवर्तन की दिशा मानकर हरित हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और स्मार्ट प्रोडक्शन की ओर बढ़ना होगा। हरित प्रमाणन प्रणाली, WTO में न्याय की पैरवी, और शिक्षा से लेकर नीति तक हरित सोच का एकीकरण जरूरी है। यह वैश्विक नैतिकता की परीक्षा है जहाँ सहयोग और प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को संतुलन साधना होगा। फिर भी सीबीएएम जैसे करों के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की कीमत वसूलने का विचार भले ही गहरा हो, लेकिन इसका प्रभाव विकासशील देशों पर असंतुलित है।

सीएमएचओ को सौंपी शिकायत मामले की जांच और कार्रवाई की मांग

चिरमा टेकरी में उल्टी-दस्त से दो महिलाओं की मौत के मामले में परिजनों ने लगाये लापरवाही के आरोप

बैतूल/भौंरा। जनपद पंचायत शाहपुर की ग्राम पंचायत सालीमेट के ग्राम चिरमा टेकरी में उल्टी-दस्त की चपेट में आई दो महिलाओं की मौत हो गई थी। जिसमें एक महिला की घर पर, वही दूसरी महिला की बैतूल के निजी अस्पताल में मौत हुई थी। इस मामले में मृत महिला शांताबाई परते के पुत्र रामलाल परते ने शाहपुर अस्पताल पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि समय पर न तो डॉक्टर पहुंचे और न ही आवश्यक इलाज शुरू किया गया, जिससे उसकी मां की हालत बिगड़ती गई और अंततः उसकी मौत हो गई। इस मामले को लेकर रामलाल परते ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मनोज हुडमाडे को शिकायती आवेदन पत्र भी सौंपा है। रामलाल परते ने बताया कि उसकी मां शांताबाई को उल्टी दस्त होने पर तत्काल शाहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था। लेकिन वहां पहले तो मां के इलाज के लिए पर्ची बनाने के लिए लंबी लाइन में खड़ा रहा और फिर जब मेरा नंबर आया, तब तक 2 बजे गए थे। पर्ची बनाने वाले कर्मचारी ने कहा कि लंच टाइम हो गया है। अब 5 बजे ही पर्ची बनेगी। मजबूर होकर माँ शांताबाई परते को निजी वाहन से बैतूल निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां 20 जुलाई को मां की मृत्यु हो गई।

माँ के इलाज के लिए होते रहे परेशान- रामलाल परते का आरोप है कि वह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के लिए परेशान होते रहे, लेकिन समय पर उपचार नहीं मिला। जैसे-तैसे मां को सीधे अस्पताल के वार्ड में ले गया। जहां नर्स ने बोतल और इंजेक्शन लगाए। लेकिन मां को आराम नहीं लगा। गंभीर स्थिति के कारण मां को बैतूल रेफर करने की मांग, लेकिन नर्स ने कहा कि 5 बजे डॉक्टर आने पर ही रेफर किया जाएगा। 5 बजे डॉक्टर आए, और माँ को

इंजेक्शन लगाया। लेकिन फिर भी उन्हें आराम नहीं लगा था। इसके बाद मजबूर होकर निजी वाहन से मां को बैतूल निजी अस्पताल लेकर पहुंच। जहां मां की मृत्य हो गई। मां की मौत के पहले भी गांव में एक महिला की मौत हो चुकी थी।

शाहपुर अस्पताल में व्यवस्थाएं बेपटरी - ग्रामीणों का आरोप है कि शाहपुर अस्पताल में व्यवस्थाएं पहले से बदत्तर हो गई हैं। डॉक्टरों की समय पर उपलब्धता भी नहीं रहती हैं। यहां दवाइयों की कमी और लापरवाही के आरोप पहले भी सामने आ चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई सुधार नहीं हुआ है। यहां तक क्षेत्रीय विधायक और नेताओं ने अस्पताल की लचर व्यवस्था में सुधार के लिए बैतूल कलेक्टर सहित सीएमएचओ को कई बार पत्राचार किया जा चुक है। किन्तु अस्पताल की स्थिति गंभीर होते जा रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब शाहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की यह स्थिति है तो इसके अंतर्गत आने वाले दुरुस्थ गांवो में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों के क्या हाल होंगे, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

टीम गठित कर जांच कराने की मांग - महिला के मौत के मामले में पुत्र रामलाल परते ने सीएमएचओ को ज्ञापन सौंपकर अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठाये है। शिकायतकर्ता रामलाल परते का आरोप है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में डॉक्टरों की लापरवाही के कारण मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिलता है। यहां डॉक्टरों की कमी भी बनी रहती है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मरीज उपचार के लिए लंबी-लंबी कतारों में घंटो खड़े रहते है और गुजरने के बाद डॉक्टर रवाना हो जाते है। जिससे मरीजों को लंबे समय तक उपचार नहीं मिल पाता है और उनकी जान पर बन आती है। इस विषय की जांच होनी चाहिए, ताकि मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

निजी अस्पताल और बीएमओ को नोटिस जारी

महिला की गंभीर स्थिति और मौत के मामले में सीएमएचओ ने बैतूल के एक निजी अस्पताल और शाहपुर बीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी किये है। जिसमें कहा गया कि निजी अस्पताल में महिला का तीन दिन उपचार जारी रहा, लेकिन अस्पताल से कोई जानकारी नहीं भेजी गई। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर के बीएमओ को भी नोटिस जारी किया है। इसके अलावा तीन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी नोटिस दिये है। नोटिस में तीन दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा है। इसके अलावा जिस अस्पताल में महिला की मौत हुई थी, वहां से मृतिका के पुत्र को सीएमएचओ के कहने पर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया गया, ताकि मृतिका के परिजनों को शासन की तरफ से मिलने वाली अंत्योष्टि की राशि मिल सके।

इनका कहना है -

इस मामले में मृतिका के पुत्र ने शिकायती आवेदन दिया था। जिस पर तीन डॉक्टरों की जांच टीम बना दी है। टीम द्वारा सभी के बयान दर्ज कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली जायेगी। प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए भी कहा गया है। इसके बाद ही अग्रिम कार्रवाही करेगे।

- मनोज हुरमाड़े,
सीएमएचओ, बैतूल

- इस मामले में शिकायती आवेदन मिला था, डॉक्टरों की टीम बनाकर मामले की जांच करवाई जाएगी और जो भी दोषी पाए जाएंगें, उन पर कड़ी कार्यवाही करवाई जाएगी। अस्पताल की व्यवस्थाए भी दुरुस्त की जाएगी।

- श्रीमती गंगाबाई उईके,
विधायक घोड़ाडोंगरी

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का अधिकारी प्राथमिकता से करें निराकरण: कलेक्टर

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में कुल 58 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने प्राप्त आवेदनों का गंभीरता पूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि एक ही शिकायत के निराकरण के लिए आवेदकों को जनसुनवाई में बार-बार न आना पड़े यह सुनिश्चित किया जाए। बैतूल के सदर निवासी प्रेम पवार ने मुलताई तहसील के ग्राम बरखेड़ में स्थित भूमि के राजस्व रिकॉर्ड में नाम जुड़वाए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुलताई तहसीलदार को प्रकरण का शीघ्र निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। बैतूल मुख्यालय के कोठी बाजार निवासी प्रमोद कुमार अवस्थी ने आवेदन के माध्यम से मुआवजा नहीं दिए जाने के संबंध में शिकायत की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। ग्राम गौठाना के रहवासियों ने कॉलोनी में सडक़, नाली तथा बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के लिए जनसुनवाई में आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को तत्काल स्थल निरीक्षण कर प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत बघोली की सरपंच वर्षा डांगे ने ग्राम लोहारिया में आंगनबाड़ी भवन क्षतिग्रस्त होने पर ग्राम के माध्यमिक स्कूल के भवन में आंगनबाड़ी का संचालन किए जाने के लिए जनसुनवाई में आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने महिला एवं बाल विकास विभाग के डीपीओ को तत्काल प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। ग्राम खेड़ी सावलीगढ़ निवासी अनिल गिरी ने खेत में आने जाने के लिए बंद रास्ते को खुलवाए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलदार बैतूल को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए।

भूमि का कब्जा दिलाए जाने की मांग- जनसुनवाई में बैतूल मुख्यालय से सटे ग्राम दनोरा निवासी इंद्रकुमार वाघमारे ने रजिस्ट्री बैनामा से क्रय की गई भूमि का कब्जा दिलाए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। बैतूल के गौठाना क्षेत्र निवासी लक्ष्मी प्रजापति ने घर के सामने अनावेदक द्वारा की गई फेंसिंग को हटाए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलदार बैतूल को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। बैतूल मुख्यालय निवासी अशोक राठौर द्वारा आवेदन के माध्यम से अधिक बिजली बिल दिए जाने की शिकायत की गई। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बिजली विभाग के जीएम को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए।

आईगोट कर्मयोगी पोर्टल प्रशासनिक क्षमता संवर्धन और कौशल विकास के लिए उपयोगी : सीईओ

आईगोट कर्मयोगी पोर्टल पर कर्मियों का प्रशिक्षण संपन्न

बैतूल। भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए आईगोट कर्मयोगी पोर्टल पर जिला अधिकारियों को डिजिटल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने सभी अधिकारियों को इस पोर्टल की उपयोगिता, विशेषताओं एवं कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जैन ने कहा कि भारत सरकार

द्वारा मिशन कर्मयोगी के तहत विकसित यह पोर्टल सरकारी कर्मचारियों के कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन के लिए एक क्रांतिकारी कदम है। इस पोर्टल पर विभिन्न प्रकार के ई-लर्निंग कोर्स उपलब्ध है जो कर्मचारियों को समय, स्थान और विषय के अनुसार सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आईगोट कर्मयोगी पोर्टल का उद्देश्य प्रशासनिक गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। इसके माध्यम से कर्मचारी नई तकनीकों, सरकारी नीतियों और कार्यप्रणालियों से स्वयं को अद्यतन रख सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान ई गवर्नेंस प्रबंधक विवेक सूर्यवंशी द्वारा आईगोट पोर्टल के रजिस्ट्रेशन, लॉगिन, कोर्स चयन, मूल्यांकन एवं प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया का डेमो दिया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों को नियमित रूप से पोर्टल का उपयोग करने, नए कोर्स करने और अपने ज्ञान को अद्यतन रखने के संबंध में जानकारी दी।

अंधविश्वास की दीवार तोड़, स्वास्थ्य कर्मियों ने बचाई मां और नवजात की जान

भीमपुर के चूनाभुरू गांव में दस्तक अभियान के दौरान गंभीर मामला सामने आया

बैतूल। भीमपुर विकासखंड के ग्राम चूनाभुरू में चल रहे दस्तक अभियान के दौरान अंधविश्वास का मामला सामने आया, जिसमें समय पर हस्तक्षेप कर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक गंभीर रूप से कमजोर नवजात और उसकी मां की जान बचाई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाडे ने बताया कि सोमवार को खंड चिकित्सा अधिकारी एवं बीपीएम, अंतरा फाउंडेशन के साथ संयुक्त रूप से ग्राम भ्रमण किया गया। इस दौरान एक नवजात शिशु की एचबीपीएनसी नवजात स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें उसका वजन मात्र 1500 ग्राम पाया गया। बच्चे की स्थिति अत्यंत गंभीर थी, वहीं मां की हालत भी नाजुक थी। जांच में सामने आया कि महिला ने गर्भावस्था की बात छिपाई थी और पेट में गोल होने की बात कहती थी। पूछताछ में महिला ने बताया कि उसे गांव के एक बाबा ने अस्पताल न जाने की सलाह दी थी। वहीं उसके ससुर द्वारा उसे स्वास्थ्य केन्द्र ले जाने की अनुमति नहीं दे रहे थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सीएचओ श्रीमती निकिता उइके, एएनएम श्रीमती दीपिका ठाकुर एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती मुलिया सरियाम ने कई बार महिला और परिवार को समझाने का प्रयास किया। बावजूद इसके परिवार का कोई भी सदस्य महिला के साथ अस्पताल जाने को तैयार नहीं था। स्वास्थ्य कर्मियों के लगातार प्रयासों और समझाइश के बाद अंततः मां और नवजात को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर रेफर किया गया, जहां दोनों को उपचार के लिए भर्ती किया गया। मौके पर जिला टीकाकरण अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी एवं अंतरा फाउंडेशन की टीम भी उपस्थित रही। सीएमएचओ डॉ. हुरमाडे ने बताया कि सीएचओ और एएनएम को नियमित फॉलोअप के निर्देश दिए गए हैं ताकि मां और शिशु की स्वास्थ्य निगरानी बनी रहे।

जायलो वाहन से अवैध सागौन जब्त, चार आरोपी गिरफ्तार

बीती रात 10 बजे वन विभाग की टीम ने की कार्रवाई

बैतूल। दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल में अवैध वनोंपज तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत वन विभाग को एक बड़ी सफलता मिली है। तासी परिक्षेत्र में रात्रिकालीन गश्त के दौरान महिंद्रा जायलो वाहन से अवैध सागौन परिवहन करते हुए चार आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा गया। मौके से कीमती सागौन वनोपज जब्त कर आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। डीएफओ विजयानन्तम टी.आर. के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र अधिकारी तासी (सा.) दयानन्द डेहरिया द्वारा सघन गश्ती अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत 27 जुलाई की रात्रि लगभग 10 बजकर 13 मिनट पर मेंढाढाना-भाडरी रोड पर एक महिंद्रा जायलो वाहन क्रमांक एमपी48टी0849 को रोका गया, जिसमें अवैध रूप से सागौन वनोपज ले जाई जा रही थी। वन विभाग की टीम ने वाहन से सागौन के दो नग जप्त किए, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 25 हजार रुपये बताई गई है। वाहन में चार व्यक्ति सवार थे,

जिन्हें मौके पर पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों में रामकिशोर पिता लिम्मा विश्वकर्मा, अलकेश पिता लिम्मा विश्वकर्मा, शिवकिशोर पिता लिम्मा विश्वकर्मा तथा राजेश पिता लल्लू विश्वकर्मा शामिल हैं। ये सभी थाना चिचोली अंतर्गत खारीढाना गांव के निवासी हैं। चारों आरोपियों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई को अंजाम देने में वन परिक्षेत्र अधिकारी तासी (सा.) दयानन्द डेहरिया, परिक्षेत्र सहायक चिखली मोहम्मद इफ्तेखार खान, परिक्षेत्र सहायक खेडी ओंकारनाथ मालवीय, वनरक्षक लेखराज सिंह धाकड़, शुभम राठौर, भैयालाल कुमरे, विजय पिपरदे, प्रवीण गुप्ता, सिद्धार्थ कुरारिया, कन्हैयालाल एवं कृष्ण कुमार डांडोलिया की विशेष भूमिका रही। वन विभाग द्वारा इस प्रकार की सघन गश्त जारी रखते हुए अवैध वनोंपज तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने बकरा-बकरी चोरी के मामले में पांच आरोपियों को पकड़ा

बैतूल। पुलिस ने बकरा-बकरी चोरी करने वाले गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर, चोरी गए सात नग बकरा-बकरी और एक लोडिंग वाहन को बरामद किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 28 जुलाई को शुभम पिता अशोक जैसवाल (27 वर्ष) निवासी देवगांव ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 3 जुलाई को रात्रि लगभग 1-2 बजे के बीच उसके गाट फार्म से अज्ञात चोर एक लोडिंग वाहन के माध्यम से उसके 7 नग बकरा-बकरी चोरी कर ले गए। शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसी दौरान विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक लोडिंग वाहन बैतूल बाजार से शाहपुर की ओर बकरा-बकरी लेकर हाईवे से जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और सोनाघाटी हाईवे पर नाकाबंदी कर वाहन को रोका गया। वाहन चालक ने अपना नाम निलेश सरयाम निवासी सुक्रम, थाना धूमा, जिला सिवनी बताया। वाहन में अन्य चार व्यक्ति अमीर खान, अरमान खान, इनूस खान और तस्बीर खान सभी निवासी बड़ागांव, थाना देनेन्द्र नगर, जिला पन्ना होना बताया। जब बकरा-बकरी के संबंध में दस्तावेज मांगे गए, तो वे कोई वैध कागज़ प्रस्तुत नहीं कर सके।

नई शिक्षा नीति के तहत 21वीं सदी जीवन कौशल विकास कार्यक्रम में शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

सांदीपनी विद्यालय भैंसदेही में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बैतूल। जानजातीय कार्यालय विभाग बैतूल एवं मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से सक्षम जीवन कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बैतूल जिले के भैंसदेही विकासखंड के सांदीपनी विद्यालय में मंगलवार को एक दिवसीय रेफ्रेशिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 60 शिक्षक शामिल हुए। प्रशिक्षण की शुरुआत ब्लॉक प्रबंधक श्री मेहरबान सिंह द्वारा प्री-टेस्ट से हुई, जिसके बाद जिला प्रबंधक सुश्री निष्ठा सौदावत वर्ष 1 एवं वर्ष 2 के मॉड्यूल की संरचना एवं मुख्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई साथ ही पूर्व वर्षों की उपलब्धियों और अनुभवों का विश्लेषण प्रस्तुत किया। ब्लॉक प्रबंधक द्वारा जेंडर समानता और बाल संरक्षण के महत्व पर विशेष सेशन के माध्यम से शिक्षकों की समझ विकसित की। बाल दुर्व्यवहार के प्रकार व रोकथाम के लिए प्रभावी कदम भी सुझाए गए। मास्टर ट्रेनर लखनलाल

बनखड़े ने वर्ष 2 के जीवन कौशल सत्रों का व्यवहारिक प्रदर्शन कर शिक्षकों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया। ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक इंद्रासेन नागले ने विद्यालय में मेरी सीख का कोना, सक्षम वॉल, बिहेवियर मैनेजमेंट सिस्टम जैसे नवाचारों को लागू करने हेतु मार्गदर्शन किया और 11 जीवन कौशलों की मेहता और बारीकियां जैसे बच्चे स्व जागरूकता, अपने विचार को रखने, रचनात्मक तरीके से सोचने, निर्णय लेने की क्षमता आदि जैसे जीवन कौशलों पर चर्चा की गई। संदीपनी विद्यालय के प्राचार्य संदीप राठौर ने जीवन कौशल सत्र से स्वयं का भी विकास करें और बच्चों तक भी सत्रों के माध्यम से पंहुचायें। सभी शिक्षकों से अनुरोध किया गया कि जीवन कौशल सत्रों का संचालन गुणवत्ता पूर्वक करें। साथ ही इन नवाचारों को विद्यालय स्तर पर प्रभावी रूप से कार्यान्वित करें और नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें।

सफाई मित्रों का पुष्प वर्षा कर आत्मीय स्वागत

स्वच्छता मित्रों, दरोगाओं, पार्षदगणों का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया

देवास। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 मे 50 हजार से 3 लाख की जनसंख्या श्रेणी मे देश मे शहर को प्रथम स्थान पाने पर नगर निगम द्वारा निगम के सफाई मित्रों, स्वच्छता निरीक्षकों, दरोगाओं एवं पार्षदगणों का आत्मीय सम्मान स्थानिय श्याम गार्डन उज्जैन रेड पर आयोजित एक गरिमामय कार्याक्रम मे देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार के मुख्य आतिथ्य मे तथा महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल की अध्यक्षता मे सभापति रवि जैन,जिलाध्यक्ष रायसिह सेंधव, विधायक एवं महापौर प्रतिनिधी दुर्गेश अग्रवाल, स्वास्थ्य समिती अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिह बैस, नेता प्रतिपक्ष प्रतिनिधि राहूल पवार के विशेष आतिथ्य मे 28 जुलाई सोमवार को सम्पन्न हुआ। कार्यकम्र मे विधायक श्रीमंत राजे ने अपने उद्बोधन मे कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र मे देश मे देवास का नाम रोशन करने मे सफाई मित्रों का अहम योगदान व कडी मेहनत से ही हमने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। नम्बर 1 अद्भुत अवार्ड हेकर इससे हमे नई उर्जा मिली है। परंतु इसे कायम रखने हेतु हमे अब ओर कडी मेहनत करना होगी। उन्होंने आगे कहा कि हम छोटे नही वरन् बडे सपने देखते है। दिवंगत महाराज श्रीमंत तुकोजीराव पवार का स्मरण करते हुये

उन्होन कहा कि उनके कार्यकाल मे जल संकट का निदान के साथ ही सिवरेज जैसी महती योजनाओं का क्रियान्वयन किया है। निगम के कर्मचारियों की मांगो को पूर्ण करने हेतु विधायक द्वारा शासन स्तर पर स्वीकृत कराने का उल्लेख अपने उद्बोधन मे किया। कार्यक्रम मे महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल ने उपस्थित सफाई मित्रों व निगम अधिकारियों, कर्मचारियों, पार्षदगणों को शुभकामनायें प्रेषित कर हार्दिक बधाई दी गई।

निगम सभापति रवि जैन ने अपने उद्बोधन मे कहा कि सफाई मित्रों की अथक मेहनत के परिणाम स्वरूप हम सम्पूर्ण भारत देश को 50 हजार से 3 लाख की आबादी के 852 शहरों मे प्रथम स्थान प्राप्त किया है जो एक ऐतिहासिक उपलब्धी भी है। उन्होने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के संकल्प को मजबूती प्रदान करने मे देवास शहर ने अपनी महती भूमिका निभाई है। उन्होने सफाई मित्रों को 5 हजार की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने हेतु आयुक्त को लिखे गये पत्र का भी उल्लेख अपने संबोधन मे किया।

विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने कहा कि विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन मे हम सफाई के क्षेत्र मे निरंतर आगे बढ़े है। जिसके परिणाम स्वरूप प्रथम स्थान प्राप्त किया जो एक स्वर्णिम उपलब्धी है। इसमे सफाई मित्रों के साथ ही निगम पार्षदगणों के साथ ही देवास शहर की सफाई के प्रति जागरूक लोगों का भी रचनात्मक सहायोग मिला है। उन्होनें निगम सफाई मित्रों की मांगों मे वर्ष 2007 से 2016 तक के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को विनयिमितीकरण करने हेतु मेयर इन काउंसिल से प्रस्ताव पारीत कर शासन से स्वीकृति हेतु भेजेगें। उन्होने सफाई मित्रों के 1 लाख तक के सुरक्षा बीमा करने पर व्यक्तिगत रूप से इसकी प्रिमियम भरने का बोलते हुये कहा कि सफाई मित्रों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने हेतु मेयर इन काउंसिल से संकल्प पारीत करवाकर स्वीकृति हेतु प्रयासरत रहुंगा तथा अकुशल से अद्धकुशल एवं कुशल श्रेणी पात्रतानुसार करने की कार्यवाही सतत रूप से जारी है। कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष रायसिह सेधव ने आने उद्बोधन मे कहा कि निगम द्वारा जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था उसमे सफलता अवश्य मिली इस हेतु उनके द्वारा सफाई मित्रों व एसबीएम की टीम को बधाई प्रेषित की गई।

दृष्टिकोण

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

मनोचिकित्सक एवं 'ओवरथिंकिंग से आजादी' के लेखक

स्कूल बंकः राष्ट्रीय आपदा बनती एक आदत

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन सब छुट्टियों पर घर का वातावरण अपराध बोध का नहीं, बल्कि उत्सव का होता है। बच्चा धीरे-धीरे सीखता है कि स्कूल एक ज़िम्मेदारी नहीं, एक विकल्प है। और जब शिक्षा विकल्प बन जाए तो अनुशासन, निरंतरता और आत्मनिर्भरता बिखरने लगती है।

हमारे देश में शिक्षा को लेकर जितनी बातें होती हैं, उतना ही उसका मज़ाक भी बनता है। स्कूल जाना अब एक अनिवार्यता नहीं,एक सहूलियत बन चुका है जो मौसम,मूड और परिवार की मर्ज़ी पर निर्भर करती है। कभी गर्मी तेज़ हो गई तो स्कूल बंद,सर्दी बढ़ी तो स्कूल बंद, बारिश हुई तो स्कूल बंद। यहाँ तक कि जब स्कूल बसें चुनाव में अधिग्रहित हो जाती हैं तो भी पूरे जिले की शिक्षा तंबू में बंद कर दी जाती है। लेकिन क्या मौसम, चुनाव, या ट्रैफिक शिक्षा से ज्यादा ज़रूरी हैं?

अब हालात ऐसे हैं कि अगर बस वाला नहीं आया तो स्कूल बंक। अगर पड़ोसी के बच्चे का जन्मदिन है तो स्कूल बंक। अगर बच्चा एक बार खाँस दे तो स्कूल बंक और अगर कोई पारिवारिक रिश्तेदार दिल्ली से फोन कर दे कि आ रहा हूँ तो स्कूल बंक और रिश्तेदारी दर्शन।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन सब छुट्टियों पर घर का वातावरण अपराधबोध का नहीं, बल्कि उत्सव का होता है। बच्चा धीरे-धीरे सीखता है कि स्कूल एक ज़िम्मेदारी नहीं, एक विकल्प है। और जब शिक्षा विकल्प बन जाए तो अनुशासन, निरंतरता और आत्मनिर्भरता बिखरने लगती है।

हम यह नहीं समझते कि स्कूल से बच्चों की दूरी सिर्फ अकादमिक नुकसान नहीं है, बल्कि यह एक गहरी मानसिक आदत का निर्माण कर रही है। आज का 'स्कूल बंक' कल का 'डेडलाइन मिस' और परसों का 'काम पर बहाना' बन जाएगा।

हम एक ऐसा समाज बना रहे हैं जहां शिक्षा स्थगित की जाती है, फिर उम्मीद करते हैं कि बच्चा अंकों की सूची में प्रथम पंक्ति में खड़ा हो। दोष स्कूलों का नहीं, मौसम का नहीं शायद दोष उस मानसिकता का है जो शिक्षा को स्थायित्व नहीं,बल्कि अस्थायी सहूलियत मानती है।

विदेशों में स्कूल दूरी के हिसाब से बनाए जाते हैं,ताकि आवागमन कभी बहाना न बन पाए। ह्यवहाँ शिक्षा हर मौसम में चालू रहती है क्योंकि वहाँ शिक्षा संविधान से नहीं, संस्कृति से जुड़ी है।

हमें यह समझना होगा कि एक बच्चा जब बार-बार स्कूल न जाने को सामान्य मानने लगता है, तो वह धीरे-धीरे किसी भी ज़िम्मेदारी को गंभीरता से लेना छोड़ देता है।

मैं यह नहीं कहता न जाने उचित कारणों के होते हुए भी हर दिन स्कूल जाना ज़रूरी है,मैं कहता हूँ कि हर दिन स्कूल को ज़रूरी समझना जरूरी है। अगर हम ऐसा समाज बना रहे हैं तो साथ में ये उम्मीद न करें कि बच्चा अंकों की सूची में प्रथम पंक्ति पर दिखेगा। जो शिक्षा को स्थगित करता है, वह सफलता को स्थायी नहीं बना सकता।

संक्षिप्त समाचार

विश्व हैपेटाइटिस दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य शिविर किए गए आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में विश्व हैपेटाइटिस दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। सीएमएचओ डॉ. नरसिंह गेहलोत के दिशानिर्देश में जिला अस्पताल परिसर नर्मदापुरम एवं सिविल अस्पताल इटारसी के ओएसटी केंद्रों पर हैपेटाइटिस जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर में 128 आईडीयू और 292 कैदियों की हैपेटाइटिस बी एवं सी की जांच की गई। तथा हैपेटाइटिस के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। शिविर में डॉ. आर. के. चौधरी अधीक्षक इटारसी, आर. एस. चौहान जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट नर्मदापुरम, रत्ना टिप्पन, पियार सपोर्टर, प्रज्ञा और प्रियांशी एनजीओ के सदस्य आदि उपस्थित रहें।

सांप निकलने पर घबराएं नहीं, जिले के प्रशिक्षित सर्प विशेषज्ञ से तुरंत संपर्क करें

बैतूल (निप्र)। बारिश के मौसम में सांप निकलने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में घबराने या खुद से कोई कार्रवाई करने के बजाय प्रशिक्षित सर्प विशेषज्ञों से संपर्क करना अधिक सुरक्षित होता है। जिले में विभिन्न स्थानों पर सक्रिय सर्प मित्रों की एक टीम मौजूद है, जो किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान करती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सांप निकलने पर आमजन बैतूल में जमाल भाई मो-9752825200 व विशाल विश्वकर्मा 8463820941, सारणी में नेसलन 8770177956, मुलताई में श्रीकांत विश्वकर्मा 8319197808, भैंसदेही-झल्लार में सुमरत 975476559, शाहपुर में टुन्नी ठाकुर 8962594278, पाथाखेड़ा में भीम साहू 9926736969, बैतूल बाजार में लक्की मंडलेकर 8817064749, चिचोली-भैंसदेही में शिव नरवरे 6261381906, आठनेर में गुणवंत बर्डे 8223005161, झल्लार-जामन्य में सुरेश 8878803154, मुलताई में श्रीकांत विश्वकर्मा 8319197808 तथा दामजीपुरा में कैलाश प्रजापति के मोबाइल नंबर 8989810040 पर संपर्क कर सकते हैं। नागरिकों से अपील है कि किसी भी प्रकार की सर्पदर्शन की स्थिति में स्वयं कोई जोखिम न उठाएं और तुरंत नजदीकी सर्प मित्र से संपर्क करें।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाईन के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को किया सम्मानित

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मण्डीदीप श्री प्रताप सिंह, सीएमओ गैरतगंज श्री सुधीर उपाध्याय, जनपद सीईओ बाड़ी श्री दानीश अहदम खान, सीएमओ औबेदुल्लागंज श्रीमती किरण राहंगडाले,, जनपद सीईओ उदयपुरा श्री अशोक कुमार उईके, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बेगमगंज श्रीमती पूर्णिमा श्रीवास्तव, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सिलवानी श्री प्रेम कुमार अहिरवार, सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उदयपुरा श्री श्याम कुमार डोले, ऊर्जा विभाग के कनिष्ठ यंत्री सलामतपुर श्री मनीष कुमार, जनपद सीईओ औबेदुल्लागंज श्री निखिलेश कटारे तथा ऊर्जा विभाग के कनिष्ठ यंत्री देवनगर श्री सर्वेन्द्र सिंह चौधरी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आशा कार्यकर्ताओं के लिए विश्राम कक्ष का जिला चिकित्सालय में किया शुभारंभ

बैतूल (निप्र)। जिला चिकित्सालय बैतूल के महिला एवं बाल रोग इकाई के प्रथम तल पर आशा कार्यकर्ताओं के लिए बनाए गए विश्राम कक्ष का सोमवार को भव्य शुभारंभ किया गया। सीएमएचओ डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि आशा विश्राम कक्ष राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल म.प्र. के दिशा निर्देशानुसार बनाया गया है। आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग में जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो क्षेत्र से रेफर हितग्राहियों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय समय-समय पर लेकर आतीं हैं। कई बार इन्हें परिस्थिति अनुसार रात्रि तक रूकना पड़ता है। आशाओं की सुविधाओं के लिए आशा विश्राम कक्ष बनाया गया है जिसमें आशा कार्यकर्ता आराम कर सकती है। इस अवसर पर सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ जगदीश घोरे, आरएमओ डॉ रानू वर्मा, डीसीएम श्री कमलेश मसीह, नर्सिंग ऑफिसर, एपीएम शहरी क्षेत्र एवं आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसानों को सुगमता से मिले खाद, नकली खाद बेचने या कालाबजारी करने वालों पर करें कठोर कार्रवाई

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिले में खाद वितरण की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने जिले में डीएपी, यूरिया आदि खाद की उपलब्धता और वितरण की विकासखण्डवार जानकारी लेते हुए उप संचालक कृषि, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहकारी बैंक, उपायुक्त सहकारिता को खाद वितरण केन्द्रों का सतत् निरीक्षण करने तथा सुचारू वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि जिले में कहीं भी नकली खाद का विक्रय, खाद की कालाबजारी या खाद वितरण में भेदभाव ना हो। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम और कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करें। साथ ही कृषि संगठनों से भी प्रतिदिन संवाद कर खाद वितरण की स्थिति, स्टॉक की मात्रा तथा प्राप्त होने वाली खाद की भी जानकारी दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षेत्र में कहीं भी खाद वितरण को लेकर अव्यवस्था निर्मित होने की संभावना होने पर तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएं। उन्होंने कृषि अधिकारी से आगामी दिवसों में प्राप्त होने वाली उर्वरकों की जानकारी लेते हुए अग्रिम मांग प्रस्ताव भेजने के लिए कहा। जिले में समर्थन मूल्य पर मूंग उपार्जन कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अभी तक उपार्जित मूंग की मात्रा, उपार्जित मूंग के सुरक्षित भण्डारण और किसानों को भुगतान की जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण की गति धीमी हुई है, इसमें तेजी लाएं। कोई भी शिकायत नॉन अटेन्डेन्ट ना रहे तथा ना ही निम्न गुणवत्ता से निराकृत हो। उन्होंने 50 दिवस और 100 दिवस से अधिक समयावधि वाली शिकायतों का एक सप्ताह में प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। नदियों के जल स्तर तथा तटीय क्षेत्रों पर नजर बनाए रखने के निर्देश कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर प्रक्रिया पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार सभी एसडीएम को वर्षाकाल के दृष्टिगत की गई तैयारियों की पुनः समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों सहित अन्य नदियों के जल स्तर पर तथा पुल-पुलियों पर पानी होने पर निगरानी बनाए रखने तथा तुरंत अवगत कराते हुए आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि जलभराव या बाढ़ की स्थिति होने पर आवश्यकतानुसार राहत एवं बचाव केन्द्र शुरू किए जाएं। साथ ही राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए 04 अगस्त तक 85 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों को क्षेत्र में भ्रमण कर जीर्ण-शीर्ण भवनों की जांच करने के निर्देश बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि बारिश के दौरान जीर्ण-शीर्ण भवनों के गिरने से किसी प्रकार की दुर्घटना ना हो, इसके लिए एसडीएम, सीएमओ, जनपद सीईओ सहित अन्य जिला अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में जीर्ण-शीर्ण भवनों की सूची तैयार कर नियमानुसार करें। उन्होंने सभी एसडीएम, जिला शिक्षा अधिकारी, जनपद सीईओ, सीएमओ, बीआरसी, सीडीपीओ को आगामी एक सप्ताह में क्षेत्र का भ्रमण कर जीर्ण-शीर्ण भवनों की जांच करेंगे। क्षेत्र में जीर्ण-शीर्ण भवन नहीं होने पर संबंधित अधिकारी संयुक्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाने और स्वामित्व योजना के लंबित प्रकरणों का 31 जुलाई तक अंतिम निराकरण करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। अवैध शराब बिक्री करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम को कृषि उपज मंडियों का भी भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को अधिक समय तक इंतजार ना करना पड़े, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होंने आबकारी अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले में कहीं भी अवैध शराब की बिक्री ना हो, अवैध शराब की बिक्री करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

इसी प्रकार खनिज अधिकारी को बिना रॉयल्टी के अवैध उत्खन्न और परिवहन करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई के भी निर्देश दिए। जिला अधिकारी स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्र आदि का करें निरीक्षण बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने उप संचालक कृषि, जिला शिक्षा अधिकारी, सीएमएचओ, डीपीसी, जिला संयोजक आदिम जाति, सभी जनपद सीईओ, सीएमओ, सीडीपीओ सहित अन्य अधिकारियों को इस सप्ताह क्षेत्र में सतत् भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्र, खरीदी केन्द्र, खाद वितरण केन्द्र, गौशाला, अस्पताल, छात्रावास आदि संस्थाओं का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि संस्थाओं में सभी व्यवस्थाएं सुचारू हों। कलेक्टर श्री विवश्कर्मा ने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य केवल कमियां निकालना ना हो, समस्या को पहचानकर उसका निदान भी सुनिश्चित कराना है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यशाला सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यशाला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम पर चर्चा करते हुए सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने के निर्देश दिए। शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज की परिधि में तम्बाकू उत्पादों का विक्रय ना हो यह सुनिश्चित कराएं।

तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तथा जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु सामुदायिक स्तर पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएं। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने भी तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कार्यशाला में मध्यप्रदेश वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन के श्री आनंद वर्मा द्वारा सीओटीपीए-2003, ई-सिगरेट प्रतिषेध अधिनियम 2019, हुक्का बार प्रतिबंध तथा तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान गाइडलाइन्स पर विस्तार से जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में तंबाकू सेवन से हर साल लाखों लोग प्रभावित होते हैं और इसका प्रभाव विशेष रूप से किशोर एवं युवाओं में बढ़ता जा रहा है। उन्होंने तंबाकू मुक्त गाँव की दिशा में किए जा सकने वाले प्रयासों को भी रेखांकित किया। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, महिला बाल विकास सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

संदीपनि स्कूल के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण संपन्न

बैतूल (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग बैतूल द्वारा मैजिक बस फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से संचालित जीवन कौशल आधारित 'सक्षम' कार्यक्रम के तहत सोमवार को मिडिल स्कूल, संदीपनि एवं विशेष आवासीय विद्यालय के शिक्षकों का एक दिवसीय रिफ्रेशिंग ट्रेनिंग कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आठनेर में आयोजित हुआ। जिसमें 63 माध्यमिक शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन बीआरसी श्री राजेश कुमार आठनेरे, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री आर. के. खाड़े, कन्या शिक्षा परिसर प्राचार्य श्री मदनलाल पटेल , सीएसी श्री भीमराव दवडे के निर्देशन में किया गया, जिसमें ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर श्री मेहरबान सिंह, मीना सातकार, मास्टर ट्रेनर जितेन्द्र वागद्र श्री अतुल कश्यप और के मार्गदर्शन में शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

प्रशिक्षण की शुरुआत प्री-टेस्ट से की गई, जिसके पश्चात वर्ष 1 और वर्ष 2 के मॉड्यूल की संरचना एवं मुख्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मास्टर ट्रेनर श्री जितेन्द्र वागद्र ने कार्यक्रम के पूर्व वर्षों की उपलब्धियों और अनुभवों का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण न केवल विद्यार्थियों की शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और नैतिक क्षमता के विकास में सहायक होगा, बल्कि उनके व्यवहार और समझ को भी परिपक्व बनाएगा। प्रशिक्षण में शिक्षकों को जानकारी दी गई कि अब वे विद्यालय में रोचक गतिविधियों और खेल आधारित सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन कौशल सिखाएंगे।

मास्टर ट्रेनर द्वारा वर्ष 2 के जीवन कौशल सत्रों का व्यवहारिक प्रदर्शन कर उपस्थित शिक्षकों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मास्टर ट्रेनर अतुल कश्यप ने 'मेरी सीख का कोना, 'सक्षम वॉल' और 'बिहेवियर मैनेजमेंट सिस्टम' जैसे नवाचारों को लागू करने की दिशा में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने 11 प्रमुख जीवन कौशलों के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की।

खाद का आवश्यकता से अधिक भंडारण करने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्यवाही : कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी

बैतूल (निप्र)। जिले में खाद का आवश्यकता से ज्यादा भंडारण कर कृत्रिम खाद का अभाव पैदा करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। ऐसा करने वाले व्यक्ति, किसान और व्यापारी के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण भी दर्ज किया जाएगा। यह निर्देश बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में उप संचालक कृषि को दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि कृषि के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी अपने क्षेत्र में खाद की आपूर्ति और वितरण की सतत मॉनिटरिंग भी करें। कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध भी आपराधिक प्रकरण दर्ज कराएं और उनका लाइसेंस भी निरस्त करें। उप संचालक कृषि श्री आनंद कुमार बड़ोनिया ने बताया कि जिले को मांग अनुसार सतत खाद की रैक प्राप्त हो रही हैं।

बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई एवं अन्य विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाली जनशिकायतों का गंभीरता पूर्वक समाधान किया जाएं। शिकायतों के निराकरण में संतोषजनक प्रगति न लाने वाले विभागों के अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

समय सीमा के लंबित पत्रों की भी समीक्षा कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सम्बन्धित अधिकारियों को पत्रों का समाधान कर जवाब प्रेषित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने ईकेवाईसी की प्रगति की भी जनपद और निकायवार समीक्षा की। उन्होंने सीईओ जनपद भीमपुर, घोड़ाडोंगरी और शाहपुर तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी आमला, बैतूल, घोड़ाडोंगरी और शाहपुर को ई केवाईसी में प्रगति लाने के लिए विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने खरीफ फसलों की बुवाई की भी जानकारी ली। उन्होंने श्रीअन्न और उद्यानिकी फसलों की गिरदावरी भी शीघ्र किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने ई ऑफिस प्रणाली का ब्लॉक स्तर पर क्रियान्वयन की समीक्षा कर निर्देश दिए कि ब्लॉक स्तर पर जिन विभागों के अधिकारी ऑन बोर्ड हो गए है, उन विभागों के जिला अधिकारी सुनिश्चित करे कि ब्लॉक स्तर पर भी ई ऑफिस का प्रभावी क्रियान्वयन हो। ई ऑफिस के क्रियान्वयन में समस्या आने पर जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी से संपर्क कर उनका निराकरण कराएं। बैठक में एसडीएम बैतूल श्री मकसूद अहमद सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

जिला चिकित्सालय में विश्व हेपेटाइटिस दिवस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बैतूल (निप्र)। राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन भोपाल एवं मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के निर्देशानुसार 28 जुलाई को जिला चिकित्सालय बैतूल में विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में लक्षित समुदाय के लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य के प्रति अपनी जागरूकता दिखाई और विश्व हेपेटाइटिस दिवस 2025 की थीम हेपेटाइटिसः चलो इसे तोड़ेके संदेश को आगे बढ़ाया।राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ रोहित परते ने इस बीमारी से बचाव और समय पर हेपेटाइटिस टीकाकरण महत्व, रोकथाम, निदान, एवं प्रबंधन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर जांच, टीकाकरण, और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इस बीमारी से पूरी तरह बचा जा सकता है। कार्यक्रम इस अवसर पर टीआई प्रोजेक्ट कार्यक्रम प्रबंधक श्री निर्देश मदरेले एमएण्डई श्री वैभव मालवी, आईसीटीसी काउंसलर श्रीमती अनिता लोखंडे, टीआई काउंसलर श्रीमती प्रीतिबाला पवांर, ओआरडब्ल्यू भाग्यश्री तालमपुरिया, छाया प्रजापति, भाग्यश्री नामदेव, अभिषेक सोनी, हेपेटाइटिस पीअर सपोर्टर नवनीत बाडबूदे, लेब टेक्नीशियन श्री अमित राक्से एवं समस्त टीआईपीई सहित अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा।

'हनीमून इन शिलांग'...

राजा रघुवंशी की मर्डर मिस्ट्री पर बनेगी फिल्म

कहानी को राजा के परिवार से मिला ग्रीन सिग्नल

भोपाल। चर्चित ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या अब सिल्वर स्क्रीन पर नजर आने वाली है। इस सनसनीखेज मर्डर केस को लेकर एक फिल्म 'हनीमून इन शिलांग' के नाम से तैयार की जा रही है, जिसकी पटकथा अंतिम रूप में पहुंच चुकी है। फिल्म का 80 प्रतिशत हिस्सा इंदौर में और शेष शिलांग (मेघालय) में शूट किया जाएगा। वहीं, डायरेक्टर और प्रोडक्शन टीम मंगलवार को राजा रघुवंशी के घर पहुंची और परिवार से लंबी बातचीत की। भाई विपिन रघुवंशी के साथ सभी प्रमुख घटनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसी

दौरान कहानी को अंतिम रूप दिया गया। डायरेक्टर एसपी निम्बावत का कहना है कि फिल्म का मकसद सच्चाई को सामने लाना है। उन्होंने कहा कि सोनम के परिवार से उनका कोई संबंध नहीं है और फिल्म पूरी तरह राजा की जिंदगी और इस दर्दनाक हनीमून मर्डर मिस्ट्री पर केंद्रित होगी। फिल्म में कौन-कौन से कलाकार नजर आएंगे, इसकी जानकारी फिलहाल गुप्त रखी गई है, लेकिन जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा हो सकती है। पहले चर्चा थी कि बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान इस केस पर फिल्म बना सकते हैं, लेकिन उन्होंने इन खबरों को खारिज कर दिया था। गौरतलब है कि राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में धूमधाम से हुई थी। शादी के महज नौ दिन बाद 20 मई को दोनों हनीमून के लिए शिलॉन्ग रवाना हुए। 23 मई को दोनों लापता हो गए और फिर 2 जून को राजा का शव वीसॉडॉन्ग फॉल्स से बरामद हुआ। गले पर गहरे चोट के निशान मिले, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि मौत सामान्य नहीं थी। जांच में सामने आया कि सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाहा और अन्य साथियों के साथ मिलकर इस हत्या की साजिश रची थी। मामले में पत्नी सोनम और उसके प्रेमी राज सहित आठ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है जिसमें से तीन आरोपी जमानत पर बाहर है।

कलेक्टर साहब, दोनों पत्नियों का झगड़ा सुलझा दीजिए

फरियाद लेकर पहुंचे भिखारी ने कहा-धंधे पर पड़ रहा असर

भोपाल। खंडवा कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई में मंगलवार को एक अनोखा मामला देखने को मिला। नेत्रहीन दिव्यांग भिखारी शफीक ने जनसुनवाई में पहुंचकर खंडवा कलेक्टर को फरियाद लगाते हुए कहा कि सर, मेरी दो पत्नियां शबाना और फेमिदा के बीच आए दिन विवाद होता रहता है। जिस कारण मेरे भीख मांगने के कारोबार पर असर पड़ रहा है, मुझे दोनों पत्नियों को साथ

रखना है। लिहाजा उन्हें जिला प्रशासन की टीम समझाइश दें। वहीं, खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने उसकी अर्जी सुनकर मामला महिला एवं बाल विकास विभाग को भेज दिया है। विभाग अब पत्नियों को समझाकर विवाद सुलझाने की कोशिश करेगा। यह फरियाद जनसुनवाई में मौजूद लोगों के लिए भी चर्चा का विषय बनी रही। दिव्यांग भिखारी ने कहा कि सर दो पत्नियों को एक साथ पाल सकता हूं। तब पुरी जनसुनवाई में भिखारी पर तरस आने की बजाए लोगों ने उसे हैरत भरी निगाह से उसे देखना शुरू कर दिया। जिस दौर में लोग एक पत्नी के साथ सुखी नहीं रहते हैं, वहां नेत्रहीन दिव्यांग भिखारी एक साथ एक छत के नीचे दो पत्नियों को रखने की दिलेरी के साथ बातें कर रहा था।

डंके की चोट पर ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देंगे

● विधानसभा में सीएम डॉ.मोहन यादव ने कर दिया ऐलान ● कहा-जातिगत जनगणना कराएंगे,अनुपूरक बजट हुआ पेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को विधानसभा में कहा- हम डंके की चोट पर कह रहे हैं कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण देंगे। जल्दी से जल्दी कोशिश करेंगे कि 13 प्रतिशत आरक्षण जिन्हें मिला है, उन अभ्यर्थियों को हक के आधार पर नौकरी मिले और योग्यता के आधार पर उनका चयन हो। उन्होंने कहा- कांग्रेस अलग-अलग समाज को भड़काने का काम करती है जबकि सारी चीजों में उनका ही इन्वॉल्वमेंट है। पिछड़ों की जनगणना को बंद करने का पाप कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जी पर जाता है। बाद में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और उनके बाद लगातार कांग्रेस की सरकार रहीं लेकिन उन्हें जातिगत जनगणना नहीं कराई। इससे पहले विधानसभा में मानसून सत्र के दूसरे दिन कांग्रेस विधायकों ने जनप्रतिनिधियों पर हमले के मामलों में कार्रवाई नहीं होने की बात कही।

कांग्रेस विधायकों पर झूठे मुकदमे दर्ज होने का सवाल उठाया। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वाणिज्य कर विभाग से संबंधित पत्रों को पटल पर रखने का काम शुरू कर दिया। इस पर कांग्रेस विधायक भड़क गए और सदन से वॉक आउट कर दिया। शाम करीब साढ़े पांच बजे सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस विधायकों ने बीन बजाकर प्रदर्शन किया। एक विधायक भैंस बने। नेता प्रतिपक्ष ने कहा- हम सरकार को जगा रहे हैं। सेवढ़ा के बीजेपी विधायक प्रदीप अग्रवाल खुद कार चलाकर विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने पहुंचे। कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाहा से सुरक्षाकर्मियों ने ब्लैक गाउन उतारने का अनुरोध किया। कुशवाहा भैंस का रूप धरकर आए थे। उन्होंने गाउन उतारा, फिर अंदर गए। बीजेपी विधायक गोलू शुक्ला ने महाकाल मंदिर विवाद पर कहा- राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हमारे खिलाफ भ्रामक विचार फैला रहे हैं। मैं अपने बेटे के साथ हूं। विधानसभा में मंत्री विजय शाह के आने पर विधायक सोहन लाल बाल्मिकी ने आपत्ति जताई। कहा- जिन्होंने सेना का अपमान किया, ऐसे व्यक्ति को सदन में आने का अधिकार नहीं है। इस पर सदन में हंगामे की स्थिति बनी। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने 2025-26 के पहले अनुपूरक बजट को सदन में रखा। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इस पर 30 जुलाई को चर्चा होगी। सिरमौर से भाजपा विधायक दिव्यराज सिंह ने जल संरक्षण के लिए नदियों और जल स्रोतों को सुरक्षित करने के साथ-साथ पौधे लगाने पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जो नेचुरल हैबिटेट है उसे अनदेखा करते हैं। उज्जैन जिले से बीजेपी विधायक चिंता मणि मालवीय ने कहा कि पानी बनाया नहीं जा सकता।

कटारे बोले- जल जीवन मिशन में करप्शन हुआ

कांग्रेस विधायक और उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने चर्चा के दौरान जल जीवन मिशन में हुए घोटाले का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पानी से जुड़े इस मिशन में इतना करप्शन हुआ है, जिस पर लंबे समय तक बहस हो सकती है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि विभाग की मंत्री उसका वेरिफिकेशन कराएं। महिदपुर से कांग्रेस विधायक दिनेश जैन बोस ने कहा कि छोटी-छोटी संरचनाओं के माध्यम से जल संचित किया जा सकता है। इससे धरती के भीतर पानी की मात्रा बढ़ेगी। चाचौड़ा विधायक प्रियंका मीणा ने श्रम संशोधन विधेयक पर सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा- सरकार ने न सिर्फ महिलाओं को सशक्त बनाया है बल्कि पुरुषों के बराबर लाकर खड़ा कर दिया है। पन्ना से बीजेपी विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश की नदियों का पानी दूसरे प्रदेशों में जा रहा है। इस पर भी विचार करने की जरूरत है, क्योंकि इस पानी का इस्तेमाल हम नहीं कर पा रहे हैं। विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने कहा कि आज नाग पंचमी का त्यौहार है।

अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान, निगरानी और कार्यवाही पर शासन की क्या है योजना : डॉ. अभिलाष पाण्डेय

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने गृह विभाग से प्रश्न करके जबलपुर उत्तर विधानसभा सहित समूचे मध्यप्रदेश में रह रहे अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान, निगरानी और वर्तमान में इसके लिए उठाए जा रहे कदमों को लेकर सरकार से जवाब मांगा। जिसके प्रतिउत्तर में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा जानकारी दी गई कि राज्य सरकार अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान एवं निर्वासन हेतु भारत सरकार,गृह मंत्रालय,नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप पुलिस आयुक्त भोपाल/ इंदौर और समस्त पुलिस अधीक्षकों को वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देशित कर चुकी है एवं इसकी नियमित मासिक रिपोर्ट भारत सरकार को भेजी जा रही है। प्रदेश में विशेष पहचान अभियान चलाकर अवैध विदेशी नागरिकों की पहचान, निगरानी एवं कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है,गृह विभाग ने एसटीफ गठन कर दस्तावेजों की सत्यता की जांच और पूछताछ के माध्यम से कार्यवाही का निर्देश दिया है।

विधायक मरकाम ने ब्यूरोक्रेसी पर सवाल उठाए

मरकाम ने ब्यूरोक्रेसी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो विभाग इसके लिए जिम्मेदार हैं उन्हें सदन में बैठकर सारी बातें सुननी चाहिए, लेकिन ऐसे अधिकारी गायब हैं। पानी के लिए नमामि गंगा और अन्य योजनाओं के लिए बजट की स्थिति स्पष्ट करने का जिक्र करते हुए मरकाम ने कहा कि सरकार योजनाओं के नाम अच्छे तय करती है, लेकिन बजट नहीं रखती है। मेड़ बंधान से ही अच्छा काम हो सकता है, जो नहीं हो रहे। विधायकों की एक सर्वदलीय कमेटी बनाई जाए जो जल गंगा संवर्धन योजना, अमृत सरोवर योजना समेत और योजनाएं की मॉनिटरिंग करे और उसका फिजिकल वेरिफिकेशन करके रिपोर्ट दे, ताकि जमीन पर हुए असली काम की स्थिति सामने आ सके।

शेखावत बोले- हमारे कांग्रेस में आने की वजह कैलाश विजयवर्गीय

जल संरक्षण को लेकर चल रही चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक शेखावत के बोलने के दौरान मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि जो बात कांग्रेस ने नहीं मानी वह शेखावत ने मान ली। इस पर शेखावत ने कहा कि वे तो सब जगह जा रहे हैं। उन्होंने अपनी पार्टी और कुर्सी की ओर इशारा करते हुए कहा कि हमारे यहां बैठने की वजह भी कैलाश विजयवर्गीय ही हैं। इस पर सदन में ठहाके लगे। विधायक भूपेंद्र सिंह ने इसी मुद्दे पर कहा कि हमारी सरकार ने पानी के लिए बहुत अच्छा काम किया। बहुत बढ़िया काम सरकार कर रही है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की पानी को लेकर बनी उपलब्धि की भी बात की। इसके बाद कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि जल जीवन मिशन अच्छी योजना है पर क्रियान्वयन अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि सत्ता या विपक्ष का कोई माई का लाल, कोई विधायक ऐसा नहीं है जो यह कह सके कि उसके विधानसभा में इस योजना में भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। शेखावत ने कहा कि इस योजना में अकेले 10 हजार करोड़ का भ्रष्टाचार इस योजना में एमपी में हुआ है।

जमकर बरसे बदरा, पानी-पानी हुआ भोपाल

इको ग्रीन पार्क, जानकी सोसायटी में 2-3 फीट पानी

एक दर्जन कॉलोनियों में जलभराव, घरों में भरा पानी

भोपाल। भोपाल में पिछले 18 घंटे से जारी बारिश की वजह से कई इलाकों में जलभराव के हालात बन गए हैं। अयोध्या बायपास स्थित इको ग्रीन पार्क और कोलार रोड स्थित जानकी सोसायटी में तो 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। इको ग्रीन पार्क के करीब 100 घरों में जलभराव है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश पर एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हालात पर काबू पाने में जुट गए। रहवासी संघ की अध्यक्ष डॉ. निशा पांडे ने बताया कि साल 2007 में विकसित हुई इको ग्रीन पार्क कॉलोनी के पीछे से पुल पातरा नाला गुजरा है। यह पुराने शहर से आया है, जो ओवरफ्लो हो गया है। इस वजह से सोमवार रात से ही जलभराव के हालात बन गए हैं। 100 से ज्यादा परिवार भयभीत है, क्योंकि लगातार तेज बारिश का दौर बना हुआ है। इको ग्रीन पार्क में जलभराव के हालात को देखते हुए कलेक्टर सिंह और निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण ने टीमें मौके पर भेजी। एसडीएम श्रीवास्तव ने बताया कि टीम के साथ मौके पर हैं। पानी को खाली करने के प्रबंध किए जा रहे हैं। कोलार रोड स्थित जानकी सोसायटी में जलभराव के हालात है। यह बेसमेंट में इतना पानी भर गया कि कई टूव्हीलर आधे डूब गए। यहां पर फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और पानी को खाली करने में जुट गई। फायर फाइटर पंकज खरे समेत टीम मौके पर मौजूद है। जेके रोड पर मिनाल रेजीडेंसी के पास और सीपेट के सामने दो फीट तक पानी भर गया। करोंद, शिवनगर, अशोका गार्डन, लिंक रोड नंबर-1, नेहरू नगर, इंडस टाउन समेत कई इलाकों में जलभराव की स्थिति रही। इस मानसूनी सीजन में पहली बार कोलांस नदी के 1 फीट ऊपर बहने से भोपाल के बड़ा तालाब में पानी का लेवल बढ़ रहा है। सुबह तक तालाब में जलस्तर 1661.05 फीट पहुंच गया। इधर, रात से सुबह तक शहर में 2 इंच बारिश हो गई। इस वजह से कुछ इलाकों में जलभराव हो गया। महापौर मालती राय ने कहा कि फिलहाल गंभीर हालात कहीं भी नहीं है। कंट्रोल रूम से नजर रखी जा रही है। महापौर राय ने नगर निगम के कंट्रोल रूम का जायजा भी लिया। उन्होंने प्राप्त शिकायतों के बारे में जाना। इनका निराकरण कैसे किया गया, यह भी पता लगाया। सीहोर जिले में भी तेज बारिश का दौर जारी है। वहीं, बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया में भी बारिश हो रही है। इस वजह से कोलांस नदी एक फीट ऊपर बह रही है। ऐसे में जल संसाधन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बड़ा तालाब जब पूरा भरेगा तब भदभदा के गेट खुलेंगे और यह पानी सीधे कलियासोत डैम में पहुंचेगा। ऐसी स्थिति में कलियासोत डैम के गेट भी खोलने पड़ेंगे। इसलिए मंगलवार दोपहर 12 बजे कलियासोत डैम के गेटों को खोलकर टेस्टिंग की गई। सबसे पहले साइरन बजाया गया। ताकि, आसपास मौजूद लोग अलर्ट हो जाएं। इसके बाद एक गेट खोला गया। भले ही टेस्टिंग हो, लेकिन सीजन में पहली बार कलियासोत डैम का गेट खोला गया है।

एनएसयूआई का पीएनएसटी छात्राओं की मांगों को लेकर प्रदर्शन, एनएसयूआई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया

भोपाल। मध्यप्रदेश की नर्सिंग छात्राओं ने अपने प्रवेश और भविष्य को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार और जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर के नेतृत्व में प्रदर्शन किया ।

पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शन कर रहें एनएसयूआई पदाधिकारियों और छात्राओं को विधानसभा जाने से रोक तो उन्होंने तेज बारिश में बीच सड़क पर बेठ कर प्रदर्शन किया पुलिस ने एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर अभय रामभक्त सचिन भदौरिया सहित कई पदाधिकारियों को हिरासत में लिया ।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया कि स मध्यप्रदेश की 60 हजार छात्राओं के हक की लड़ाई हैं हम निरंतर लड़ रहे सरकार पुलिस के दम पर आवाज दबाने का प्रयास कर रहीं हैं लेकिन हम छात्राओं की आवाज दबने नहीं देंगे हम लड़ाई निरंतर जारी रखेंगे ।

परमार ने बताया कि मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (व्यापम / ESB) द्वारा प्री-नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट (PNST)-2022 की परीक्षा जून 2023 में आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के परिणाम पर हाईकोर्ट द्वारा रोक लगा दी गई थी, लेकिन 27 मार्च 2025 को हाईकोर्ट के आदेश के बाद परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया।

जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि आज दिनांक तक प्रवेश के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, जिसके चलते शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में सत्र 2022-23 की सभी सीटें खाली पड़ी हैं। इन सीटों पर प्रवेश के लिए छात्राएं हाईकोर्ट से लेकर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तक गुहार लगा चुकी हैं, लेकिन न्याय न मिला उनकी इस लड़ाई में एनएसयूआई पूरी मजबूती से साथ खड़ी हैं।

प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने बताया कि प्रदेश की लगभग 60 हजार से ज्यादा छात्राओं ने PNST-2022की परीक्षा दी थी। इस परीक्षा के परिणाम पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी, जिसके कारण लगभग दो वर्ष तक रिजल्ट जारी नहीं किया गया बाद में हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि परीक्षा का परिणाम जारी किया जाए। हालांकि यह रिजल्ट छात्राओं की संतुष्टि के लिए औपचारिक रूप से जारी किया गया है लेकिन इससे हमें न्याय नहीं मिला अब हम निरंतर लड़ाई लड़ेंगे ।

खरीफ फसल की बोवनी के लिए मानक बीज उपलब्ध

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा है कि प्रदेश में केंद्र सरकार के मापदंड अनुसार किसानों को खरीफ फसलों की बोवनी के लिए 'साथी पोर्टल' पर मानक बीज उपलब्ध कराया गया है। फसलों के अच्छे उत्पादन के लिए बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा मानक बीज का प्रमाणीकरण कार्य निरंतर किया जा रहा है। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना संचालित है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए कृषकों द्वारा ई-कृषि यंत्र पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत किये जा सकते हैं। इसी तरह नलकूप खनन योजना का लाभ भी किसानों को मिल रहा है।

5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए नागचंद्रेश्वर के दर्शन

उज्जैन में 2 किमी लंबी लाइन, सेंधवा के नांगलवाड़ी में 50 हजार से ज्यादा भक्त पहुंचे

भोपाल। नागपंचमी के मौके पर मध्यप्रदेश के शिवालयों और नाग मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है। उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट रात 12 बजे खोले गए। महानिर्वाणी अखाड़ा के महंत श्री विनीत गिरी महाराज ने त्रिकाल पूजन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ। दोपहर 2 बजे तक 5 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। बारिश के बावजूद गेट नंबर 4 पर भक्तों की 2 किमी लंबी लाइन लगी है। श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट हर साल सिर्फ एक बार नागपंचमी के दिन 24 घंटे के लिए खोले जाते हैं। क्राउड मैनेजमेंट और सिक्योरिटी के लिए 200 सीनियर अफसर, 2500 कर्मचारी, 1800 पुलिसकर्मी और 560 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंगलवार दोपहर 12 बजे महानिर्वाणी अखाड़ा की ओर से पूजन होगा। शाम को भगवान महाकाल की आरती के बाद पुजारियों और

पुरोहितों द्वारा अंतिम पूजा की जाएगी। इसके बाद रात 12 बजे नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट एक साल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। उधर, सेंधवा के नांगलवाड़ी में अब तक 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालु भिलटदेव के दर्शन कर चुके हैं। इससे पहले सोमवार रात 10 बजे बाबा का दूध से अभिषेक किया। रात 1 बजे फूलों से श्रृंगार हुआ। सुबह 4 बजे महाआरती के बाद 56 पकवानों का भोग लगाया गया। श्री नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा 11वीं शताब्दी की मानी जाती है। इसमें शिव और पार्वती, फन फैलाए नाग के आसन पर विराजमान हैं। शिव नाग शैय्या पर लेटे हैं। मां पार्वती और भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाएं बैठी मुद्रा में हैं। प्रतिमा में सप्तमुखी नाग देवता, नंदी और सिंह भी हैं। शिव के गले और भुजाओं में नाग लिपटे हैं। श्री महाकालेश्वर मंदिर की संरचना तीन खंडों में है। सबसे नीचे महाकालेश्वर का गर्भगृह, दूसरे खंड में ओंकारेश्वर मंदिर जबकि तीसरे और शीर्ष खंड पर श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर है। इतिहासकारों के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण परमार वंश के राजा बोजराजा ने 1050 ईस्वी के आसपास कराया था।